संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

# शहर समता

वर्ष-20 अंक- 318
पृष्ठ 8
बुधवार
07 अगस्त 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

**विविध-** रोजाना करें ये ६ योगासन,.. **विचार-** विश्व शांति को फिर खतरा **खेल-** २७ साल की साख दांव पर, 'गुरु गंभीर'..

## बांग्लादेश के मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक में चर्चा



नई दिल्ली, एजेंसी। बांग्लादेश में फैली अराजकता की स्थिति को लेकर भारत में भी मंथन का दौर जारी है। विदेश मंत्री ने हालात की जानकारी दी है। केंद्र सरकार ने शेख हसीना सरकार के नाटकीय पतन के बाद बांग्लादेश में विकास पर सभी राजनीतिक दलों के नेताओं को जानकारी दी, मंत्रियों ने कहा कि अगर पड़ोसी देश में स्थिति बिगड़ती है तो सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। बांग्लादेश के हालात पर भारत की पैनी नजर है। सर्वदलीय बैठक में विपक्षी नेता ने अपनी बात रखी है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मौजूदा हालात की जानकारी तमाम नेताओं को दी है। संसद भवन में ये बैठक खत्म हुई। लेकिन अभी तक ये साफ नहीं हो पाया कि शेख हसीना का अगला कदम क्या होगा? वहीं दिल्ली में पुलिस का संख्या बल बढ़ा दिया गया है। कयास लगाए जा रहे हैं कि अभी कुछ समय तक शेख हसीना भारत में रह सकती हैं। गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री एस जयशंकर, स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बैठक में सरकार का प्रतिनिधित्व किया, जिसमें विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी शामिल हुए।

मिलिट्री प्लेन बांग्लादेश लौट गया

बांग्लादेश में हिंसा के बीच भारत पहुंचीं शेख हसीना का मिलिट्री प्लेन हिंडन एयरबेस से बांग्लादेश लौट गया है। विमान में हसीना मौजूद नहीं थीं। दरअसल, प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद शेख हसीना सोमवार (5 अगस्त) को भारत पहुंची थीं। वे फिनलैंड जा सकती हैं। पहले ये खबर आई थी कि शेख हसीना पहले दिल्ली आएंगी फिर यहां से वो लंदन जाएंगी। लेकिन अब खबर है कि शेख हसीना फिनलैंड जा सकती हैं।

सर्वदलीय बैठक में क्या हुआ?

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सर्वदलीय बैठक में बांग्लादेश की मौजूदा स्थिति के बारे में जानकारी दी और सभी दलों के सर्वसम्मत समर्थन के लिए उनकी सराहना की। एक्स पर पोस्ट में जयशंकर ने संसद भवन में हुई बैठक की तस्वीरें भी साझा कीं। विदेश मंत्री ने लिखा कि आज संसद में एक सर्वदलीय बैठक में बांग्लादेश के हालिया घटनाक्रमों के बारे में जानकारी दी। इस दौरान जताए गए सर्वसम्मत समर्थन और तालमेल के लिए सभी दलों की सराहना करता हूं। बांग्लादेश में आरक्षण विरोधी हिंसक प्रदर्शनों के बीच प्रधानमंत्री शेख हसीना के अचानक इस्तीफा देने और देश छोड़कर जाने से वहां अराजकता की स्थिति पैदा हो गई है। हसीना सोमवार रात बांग्लादेशी वायुसेना के एक सी–130 जे सैन्य विमान से भारत पहुंचीं। बताया जा रहा है कि उनकी लंदन जाने की योजना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को इस मुद्दे पर सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति की बैठक की अध्यक्षता की।

## यूपी के हर जिले में बनेगा एक विश्वविद्यालय : योगी आदित्यनाथ



लखनऊ,एजेंसी। उत्तर प्रदेश के हर मंडल में एक विश्वविद्यालय का लक्ष्य पूरा हो गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अब हर जिले में एक विश्वविद्यालय की स्थापना का नया लक्ष्य दिया है। मुख्यमंत्री आवास पर मंगलवार को उच्च शिक्षा प्रोत्साहन नीति के लिए प्रस्तुतीकरण किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उच्च शिक्षा में निजी निवेश समय की आवश्यकता है। उच्च शिक्षा को प्रत्येक बच्चे तक पहुंचाने में सरकारी प्रयास के साथ निजी क्षेत्र की भी बड़ी भूमिका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उच्च शिक्षा प्रोत्साहन नीति तैयार करें। नीति में बहराइच, बलरामपुर, चित्रकूट, चंदौली, फतेहपुर, श्रावस्ती, सिद्धार्थनगर और सोनभद्र जिले में निजी विश्वविद्यालय स्थापित करने वालों को विशेष रियायत दी जाए। सीएम योगी ने कहा बैठक में कहा कि 2030 तक यूपी की औसत आयु 26 वर्ष हो जाएगी। भारत की युवा आबादी में यूपी का योगदान 16.5 प्रतिशत है। उन्होंने हा कि उत्तर प्रदेश की ग्रास एनरोलमेंट रेट (ळम्) 25. 6: है। छम्च के अनुसार 2035 तक 50: तक बढ़ाना आवश्यक है। निजी निवेश प्रोत्साहन नीति इस अंतर की पूरा सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बीते 7 वर्षों में सरकार के सतत प्रयासों से प्रदेश के सभी मंडल में कम से कम एक विश्वविद्यालय स्थापित हो चुका है। उन्होंने कहा कि मंडलों के बाद अब हमारा लक्ष्य एक जिला–एक विश्वविद्यालय का होना चाहिए। वर्तमान में 35 जिलों में विश्वविद्यालय है, शेष 40 जिलों में विश्वविद्यालयों के लिए निजी क्षेत्र बड़ा सहयोगी बन सकता है। कहा कि, उच्च शिक्षा में निजी क्षेत्र के वित्तपोषण को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में उच्च शिक्षा की मांग बढ़ रही है। निजी निवेश उच्च शिक्षा तक पहुंच बढ़ाने के सहायक हो सकता है।

### बांग्लादेश हिंसा पर फारूख अब्दुल्ला ने कसा तंज, बोले- हर तानाशाह का ऐसा अंत होना निश्चित है

नई दिल्ली, एजेंसी। नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष और जम्मू–कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूख अब्दुल्ला ने बांग्लादेश के हालात पर टिप्पणी करते हुए कहा है कि हर तानाशाह का ऐसा ही अंत होता है। फारूख अब्दुल्ला ने साथ ही उम्मीद जताई है कि जम्मू–कश्मीर में तय समय पर विधानसभा चुनाव कराये जाएंगे। एएनआई को दिये विस्तृत साक्षात्कार में अब्दुल्ला ने जम्मू–कश्मीर के सुरक्षा हालात से लेकर तमाम अन्य मुद्दों पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश के हालात दर्शा



रहे हैं कि यदि शेख हसीना प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देकर वहां से नहीं भागी होतीं तो प्रदर्शनकारी उन्हें मार डालते। उन्होंने जम्मू–कश्मीर विधानसभा चुनावों को लेकर कहा कि उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा तय की गयी सीमा के अंदर ही चुनाव करा दिये जायेंगे। उन्होंने भारतीय निर्वाचन आयोग के प्रतिनिधिमंडल के जम्मू–कश्मीर दौरे का स्वागत किया लेकिन कहा कि जम्मू–कश्मीर को उसका पूर्ण राज्य का दर्जा चुनावों से पहले लौटाया जाना चाहिए।

## मदरसों के बच्चों का स्कूलों में दाखिला के योगी सरकार के आदेश पर सुप्रीम रोक



लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मदरसों की बदहाली और शिक्षा के नाम पर मनमानी का जो 'खेल' चलता है, उसे योगी सरकार गंभीरता से ले रही है। मदरसों में मनमर्जी को रोकने के लिये योगी सरकार ने कई कदम उठाये हैं और इसी क्रम में अब योगी सरकार ने मान्यता प्राप्त व अनुदानित मदरसों से गैर मुस्लिम बच्चों और 4204 गैर मान्यता प्राप्त मदरसों के सभी बच्चों का स्कूलों में दाखिला कराने का जो फरमान सुनाया था, उसके खिलाफ टीचर्स एसोसिएशन मदारिस अरबिया यूपी ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। इस पर अब कोर्ट में 20 अगस्त को अंतिम सुनवाई होगी। कोर्ट ने सुनवाई होने तक मदरसों के बच्चों को शिफ्ट न करने के निर्देश दिए हैं। दरअसल, टीचर्स एसोसिएशन मदारिस अरबिया यूपी ने मुख्य सचिव की ओर से इस संबंध में जारी आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अवमानना याचिका दाखिल की थी। एसोसिएशन के महामंत्री दीवान साहेब जमां ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को याचिका पर सुनवाई हुई। अदालत ने राज्य सरकार के एडिशनल सॉलिसिटर जनरल को मौखिक निर्देश दिया कि कोई भी ऐसी कार्रवाई न की जाए जिससे सुप्रीम कोर्ट के 5 अप्रैल 2024 के आदेश का उल्लंघन हो। उन्होंने बताया कि न्यायाधीश ने कहा कि मामले पर 20 अगस्त को अंतिम सुनवाई होगी। तब तक बच्चों की शिफ्टिंग न की जाए। एसोसिएशन के महामंत्री ने बताया कि मदरसा बोर्ड एक्ट को असांविधानिक घोषित करने तथा मदरसा छात्रों को अन्य स्कूलों में स्थानांतरित करने के उच्च न्यायालय इलाहाबाद की लखनऊ पीठ के 22 मार्च के निर्णय के विरुद्ध दायर अपीलों में उच्चतम न्यायालय ने 5 अप्रैल को स्थगन आदेश दिया था, लेकिन इस आदेश की अवहेलना करते हुए केंद्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के 26 जून के पत्र के क्रम में मुख्य सचिव, अपर मुख्य सचिव अल्प संख्यक कल्याण एवं हज तथा निदेशक अल्पसंख्यक कल्याण ने मान्यता प्राप्त व अनुदानित मदरसों से गैर मुस्लिम बच्चों तथा गैर मान्यता प्राप्त मदरसों के सभी बच्चों को स्कूलों में ट्रांसफर करने का आदेश जारी किया था।

### दिल्ली में एनसीआर तो अब लखनऊ में बना एससीआर

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के आसपास के जिलों का सामूहिक विकास करने के लिए योगी सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) की तर्ज पर उप्र राज्य राजधानी क्षेत्र (एससीआर) विकास प्राधिकरण की स्थापना कर दी है। इसके लिये शासन ने गत दिवस देर रात अधिसूचना जारी कर दी। मुख्यमंत्री प्राधिकरण के अध्यक्ष, जबकि मुख्य सचिव उपाध्यक्ष रहेंगे। इसके अलावा विभिन्न विभागों के अधिकारियों, जिलों के डीएम, विकास प्राधिकरणों के उपाध्यक्षों को प्राधिकरण का सदस्य नामित किया गया है। अपर मुख्य सचिव आवास एवं शहरी नियोजन नितिन रमेश गोकर्ण द्वारा जारी अधिसूचना में लखनऊ समेत छह जिलों हरदोई, सीतापुर, उन्नाव, रायबरेली और बाराबंकी को इसमें शामिल किया गया है। इन जिलों की 27,826 वर्ग किमी भूमि को एससीआर में शामिल हो जायेगी।

### मनीष सिसोदिया को राहत नहीं! सुप्रीम कोर्ट ने जमानत पर फैसला रखा सुरक्षित

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने कथित दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति श्घोटालेश से जुड़े सीबीआई, ईडी मामलों में आम आदमी पार्टी (आप) नेता मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर मंगलवार को अपना आदेश सुरक्षित रख लिया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में आप नेता की जमानत याचिका का विरोध किया था, जिसमें दावा किया गया था कि उसके पास कथित दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति "घोटाले" में उनकी गहन संलिप्तता दिखाने के लिए दस्तावेज हैं। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने सिसोदिया की पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) एवं प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू की दलीलें सुनीं। सीबीआई ने दिल्ली आबकारी नीति के निर्माण एवं कार्यान्वयन में अनियमितताओं में कथित संलिप्तता को लेकर सिसोदिया को 26 फरवरी, 2023 को गिरफ्तार किया था। ईडी ने उन्हें नौ मार्च 2023 को सीबीआई की प्राथमिकी से जुड़े धन शोधन मामले में गिरफ्तार किया था। सिसोदिया ने 28 फरवरी, 2023 को दिल्ली मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया था। दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री सिसोदिया ने जमानत का अनुरोध करते हुए तर्क दिया है कि वह 17 महीने से हिरासत में हैं और उनके खिलाफ मुकदमे की सुनवाई अभी तक शुरू नहीं हुई है। ईडी और सीबीआई ने उनकी जमानत याचिका का विरोध किया है। प्रवर्तन निदेशालय ने न्यायालय के समक्ष दावा किया कि एजेंसी के पास ऐसे दस्तावेज हैं, जो कथित दिल्ली आबकारी नीति घोटाले में सिसोदिया की गहरी संलिप्तता का प्रमाण देते हैं।

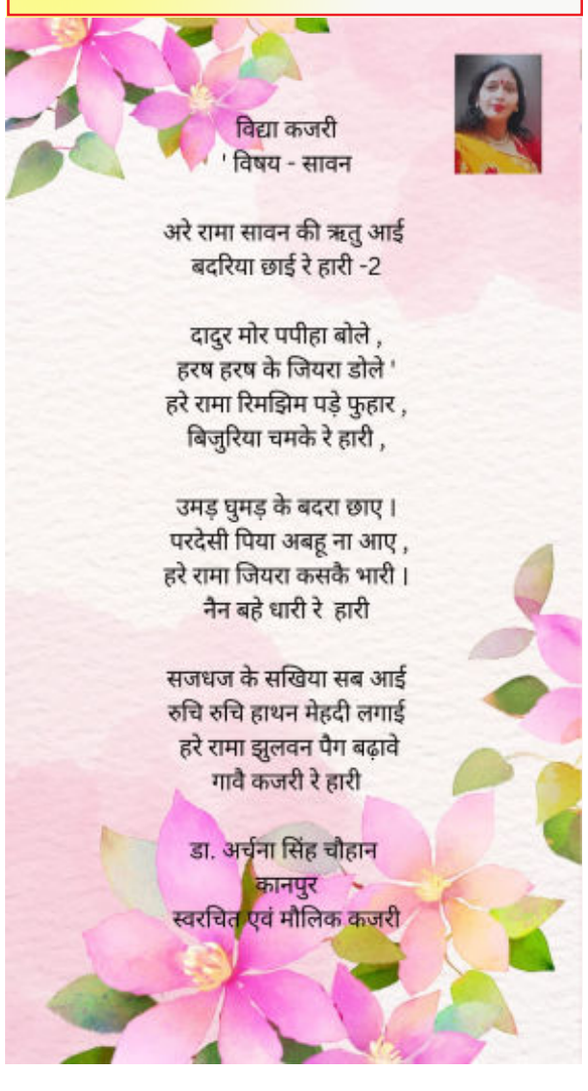

### तिहाड़ जेल के बाहर भाजपा का विरोध प्रदर्शन, अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे की मांग की

नई दिल्ली, एजेंसी। कथित उत्पाद शुल्क नीति घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के एक मामले में सीबीआई द्वारा उनकी गिरफ्तारी को बरकरार रखने के उच्च न्यायालय के फैसले के बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे की मांग को लेकर भाजपा ने मंगलवार को तिहाड़ जेल के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा की ओर से प्रदर्शन कर रहे नेताओं ने तिहाड़ जेल के बाहर तख्तियां लेकर नारे लगाए, जहां केजरीवाल बंद हैं। यह दावा करते हुए कि शासन और प्रशासन पंगु हो गया है, भाजपा की दिल्ली इकाई के प्रमुख वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि आदेश के बाद जेल से सरकार चलाने पर जोर देने के बजाय केजरीवाल को तुरंत पद छोड़ देना चाहिए। उन्होंने कहा कि आप सरकार का कोई भी मंत्री किसी भी मामले की जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है और वे अधिकारियों पर दोष मढ़ने में लगे हुए हैं। भ्रष्टाचार नई ऊंचाइयों पर पहुंच गया है और दिल्ली के लोग इस गन्दी स्थिति में पिस रहे हैं। उच्च न्यायालय ने सोमवार को कहा कि सीबीआई के कृत्यों में कोई दुर्भावना नहीं है, जिसने दिखाया है कि आप सुप्रीमो कैसे उन गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं जो उनकी गिरफ्तारी के बाद ही गवाही देने का साहस जुटा सकते हैं। अदालत ने कहा कि सीबीआई द्वारा केजरीवाल की गिरफ्तारी और प्रासंगिक साक्ष्य एकत्र करने के बाद उनके खिलाफ साक्ष्यों का चक्र बंद हो गया और यह नहीं कहा जा सकता कि यह बिना किसी उचित कारण के या अवैध था।



### नदियों में प्लास्टिक कचरे का मामला, सुप्रीम कोर्ट ने मांगा भारत सरकार से जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने जल निकायों में प्लास्टिक और अन्य अपशिष्ट पदार्थों की अनियंत्रित डंपिंग पर गंभीर चिंता व्यक्त की है, चेतावनी दी है कि यह प्रदूषण महत्वपूर्ण पर्यावरणीय गिरावट का कारण बन रहा है और जलीय जीवन को नुकसान पहुंचा रहा है। न्यायमूर्ति हृषिकेश रॉय और एसवीएन भट्टी की पीठ ने इस बात पर जोर दिया कि अधिकारियों के एकीकृत प्रयास और जनता के सहयोग के बिना, अवैध निर्माणों को संबोधित करने और गंगा सहित नदियों में पानी की गुणवत्ता में सुधार करने का कोई भी प्रयास भ्रम बना रहेगा। पीठ ने अपने 2 अगस्त के आदेश में कहा कि प्लास्टिक के डंपिंग से गंभीर पर्यावरणीय क्षति हो रही है और देश में नदी तटों और जल निकायों में जलीय जीवन पर भी असर पड़ रहा है।

## कंपैनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी से सम्मानित हुई राष्ट्रपति मुर्मू, पीएम मोदी ने दी बधाई



नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को मंगलवार को फिजी के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार 'कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी' से सम्मानित किया गया। फिजी की दो दिवसीय यात्रा पर आईं राष्ट्रपति ने इस सम्मान को भारत और फिजी के बीच "दोस्ती के गहरे संबंधों का प्रतिबिंब" बताया। यह किसी भारतीय राष्ट्राध्यक्ष की इस द्वीपसमूह राष्ट्र की पहली यात्रा है। राष्ट्रपति कार्यालय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि फिजी के राष्ट्रपति रातू विलियामे मैवलीली कटोनिवेरे ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी से सम्मानित किया। यह फिजी का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार है। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि यह सम्मान भारत और फिजी के बीच मित्रता के गहरे संबंधों का परिचायक है। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर लिखा कि फिजी के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार, कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी से सम्मानित होने पर राष्ट्रपति जी को बधाई। यह प्रत्येक भारतीय के लिए अत्यंत गर्व और खुशी का क्षण है। यह राष्ट्रपति जी के नेतृत्व के साथ–साथ भारत और फिजी के बीच ऐतिहासिक लोगों से लोगों के जुड़ाव की भी मान्यता है। गृह मंत्री अमित शाह ने लिखा कि राष्ट्र के सर्वोच्च नागरिक सम्मान कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी से सम्मानित होने पर राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी को मेरी हार्दिक बधाई। यह सम्मान न केवल विश्व मंच पर भारत की प्रतिष्ठा को बढ़ाता है, बल्कि दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और राजनयिक संबंधों को भी मजबूत करता है, जो मानवता की भलाई के लिए हमारी साझेदारी की पुष्टि करता है। राष्ट्रपति मुर्मू ने फ़िजी संसद को भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जैसे–जैसे भारत वैश्विक मंच पर मजबूती से उभर रहा है, हम एक मजबूत, अधिक लचीला और अधिक समृद्ध राष्ट्र बनाने के लिए आपकी प्राथमिकताओं के अनुसार फिजी के साथ साझेदारी करने के लिए तैयार हैं।

### विद्या कजरी
' विषय - सावन



अरे रामा सावन की ऋतु आई
बदरिया छाई रे हारी -2

दादुर मोर पपीहा बोले ,
हरष हरष के जियरा डोले '
हरे रामा रिमझिम पड़े फुहार ,
बिजुरिया चमके रे हारी ,

उमड़ घुमड़ के बदरा छाए ।
परदेसी पिया अबहू ना आए ,
हरे रामा जियरा कसकै भारी ।
नैन बहे धारी रे हारी

सजधज के सखिया सब आई
रुचि रुचि हाथन मेहदी लगाई
हरे रामा झुलवन पैग बढ़ावे
गावै कजरी रे हारी

डा. अर्चना सिंह चौहान
कानपुर
स्वरचित एवं मौलिक कजरी

## फाफामऊ में बनेगा 100 बेड का अस्थायी अस्पताल

*प्रयागराज में महाकुंभ के लिए हो रही है तैयारी, ओपीडी, पैथालॉजी व सीटी स्कैन की व्यवस्था*

प्रयागराज। प्रयागराज में जनवरी माह में आयोजित होने वाले महाकुंभ को देखते हुए यहां की स्वास्थ्य सेवाओं को ओर मजूबत किया जा रहा है। इसी क्रम में फाफामऊ में 100 बेड का अस्थायी अस्पताल बनाए जाने की योजना है। यह मौजूदा समय में

संचालित लाल बहादुर शास्त्री होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज में खोला जाना है। इसमें डॉक्टरों की ओपीडी, पैथालॉजी, सीटी स्कैन समेत स्वास्थ्य संबंधित अन्य व्यवस्थाएं उपलब्ध रहेंगी। यह प्रस्ताव शासन को भी भेजा जा चुका है, उम्मीद है कि इस पर शासन की मुहर भी जल्द ही लग जाएगी।

महाकुंभ के दौरान मिलेंगे फ्री सेवाएं

दरअसल, महाकुंभ के दिनों में देश–दुनिया से बड़ी संख्या में श्रद्धालु संगम में डुबकी लगाने के लिए पहुंचेंगे। यही कारण है कि इस समय प्रयागराज में विभिन्न विकास कार्य व सौंदर्यीकरण का कार्य चल रहा है। इस 100 बेड के अस्पताल में महाकुंभ के दौरान मरीजों को सभी सेवाएं फ्री दिए जाने की तैयारी है। चूंकि इस बार महाकुंभ है और श्रद्धालुओं की भीड़ ज्यादा होगी, यही कारण है कि मेला क्षेत्र का विस्तार फाफामऊ तक होगा।

## प्रयागराज में 2 करोड़ का गांजा पकड़ा गया

*उड़ीसा से लाए थे पंजाब के तस्कर, यूपी–बिहार के जिलों में हो रही थी सप्लाई*

प्रयागराज। प्रयागराज के सोरांव थाने की पुलिस को गांजा

तस्करी के मामले में सफलता मिली है। पुलिस ने मंगलवार को ट्रक में भरकर लाया जा रहा गांजा बरामद कर लिया। बरामद गांजा 762.12 किलो है। इसकी अनुमानित लागत 2 करोड़ रुपये बताई जा रही है। गांजा उड़ीसा से तस्करी कर लाया गया। इसे उत्तर प्रदेश और बिहार के शहरों में खपाया जाना था। एक तस्कर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पूछताछ में उसने कई साथियों के नाम बताए हैं। उनकी तलाश की जा रही है। डीसीपी गंगा नगर अभिषेक भारती ने बताया कि सोरांव पुलिस गांजा तस्करों की लोकेशन ट्रेस कर रही थी। सोरांव क्षेत्रान्तर्गत ग्राम लुसनपुर स्थित पुलिया के पास से घेराबंदी कर अभियुक्त बलकार सिंह पुत्र गुरूबचन सिंह निवासी समाना मंडी पटियाला पंजाब को गिरफ्तार किया गया।

गांजा भरे ट्रक में दो नंबर प्लेट : ट्रक नंबर HP 11 B 3071 में 762.12 किलो गांजा बरामद हुआ। ट्रक में एक अतिरिक्त नंबर प्लेट BR 01 GF 9291 रखी थी जो जरूरत पड़ने पर इस्तेमाल की जाती। डीसीपी ने बताया कि गांजा उड़ीसा से लाया गाय था। प्रयागराज में सोरांव, हंडिया, फूलपुर समेत शहर के कई इलाकों में सप्लाई होता। साथ ही आसपास के जिलों में भी भेजा जाता।

## प्रयागराज में गंगा–यमुना उफान पर

*बड़े हनुमान मंदिर की तरफ बढ़ रहा पानी, उत्तराखंड–एमपी में हो रही बारिश का असर*

प्रयागराज। प्रयागराज में अच्छी बारिश नहीं हो रही है, बावजूद

इसके गंगा और यमुना का पानी उफान पर है। जलस्तर तेजी से बढ़ रहा, जिससे अब गंगा का पानी बड़े हनुमान मंदिर की तरफ बढ़ने लगा है। यदि इसी तरह जलस्तर में बढ़ोतरी होती रही तो जल्द ही मंदिर तक पानी पहुंच जाएगा। इन नदियों का जलस्तर लगभग 2 सेंटीमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से बढ़ रहा है।

दूसरे राज्यों में हो रही बारिश का असर : मौसम विज्ञानियों की मानें तो इस बार जुलाई में अपेक्षा से 50 प्रतिशत कम बारिश प्रयागराज में हुई है। इसके बावजूद यहां गंगा और यमुना का जलस्तर बढ़ रहा है। दरअसल, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड और राजस्थान में हो रही बारिश का असर प्रयागराज में भी दिख रहा है। सहायक नदियां उफान पर हैं, जिसकी वजह से वह पानी गंगा और यमुना में छोड़ा जा रहा है। कानपुर बैराज के साथ–साथ माता टीला बांध से भी पानी छोड़ा गया है, जिसका असर प्रयागराज में गंगा और यमुना में दिखने लगा है।

# श्रीकृष्ण मंदिर तोड़ने के बाद विग्रह आगरा मस्जिद में दफनाया

### इलाहाबाद हाईकोर्ट में अब आगरा की जामा मस्जिद के एएसआई सर्वे की मांग, मथुरा मामले में सुनवाई

प्रयागराज। मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मभूमि–शाही ईदगाह मस्जिद के मामलों में दाखिल अन्य याचिकाओं पर सुनवाई अब शुरू हो गई है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सोमवार को मथुरा के ठाकुर केशव देव जी महाराज विराजमान मंदिर कटरा केशव देव और अन्य, भगवान श्रीकृष्ण विराजमान कटरा केशव देव सिविल वाद संख्या तीन और दस की सुनवाई की। इस मामले में आगरा की जामा मस्जिद के एएसआई सर्वे की मांग की गई है। कहा गया है कि श्रीकृष्ण मंदिर तोड़ने के बाद विग्रह आगरा मस्जिद में दफनाया गया। पहले केस में शाही ईदगाह मस्जिद की प्रबंधन समिति को पक्षकार बनाने की अर्जी पर वादी अधिवक्ता आरएस यादव व महेंद्र प्रताप सिंह ने आपत्ति दाखिल करने का समय मांगा। साथ ही एएसआई के अधिवक्ता मनोज कुमार सिंह ने भी जवाबी हलफनामा दाखिल करने के लिए समय मांगा। आगरा की जामा मस्जिद

से जुड़ गया विवाद

मामले की सुनवाई कर रहे न्यायमूर्ति मयंक कुमार जैन ने सात दिन का समय देते हुए अगली सुनवाई कि तिथि 12 अगस्त नियत की है। इस मामले में आगरा की जामा मस्जिद की सीढियों की एएसआई सर्वे की मांग की गई है। वादी का कहना है कि मथुरा में श्रीकृष्ण भगवान का मंदिर तोड़ने के बाद विग्रह आगरा मस्जिद की सीढ़ियों के नीचे दफनाया गया है। जिसकी साइंटिफिक जांच से पता चल सकेगा। वादी अधिवक्ताओं का कहना था कि शाही ईदगाह मस्जिद समिति का इस मामले से कोई सरोकार नहीं है। उसे पक्षकार बनाने की जरूरत नहीं है। केवल केस लटकाये रखने के लिए वह पक्षकार बनना चाहती है।

कोर्ट ने वादी की तरफ से दाखिल आपत्ति में त्रुटि होने पर नाराजगी जताई। कहा कि उपयुक्त आवेदन शपथपत्र के साथ दाखिल करें।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि से संबंधित वाद संख्या 10 की सुनवाई के लिए भी कोर्ट ने 12 अगस्त की तिथि निर्धारित की है। शाही ईदगाह मस्जिद कमेटी के अधिवक्ता नसीरूज्जमा नेघ शिकायत की कि वाद की प्रति देने के आदेश का पालन नहीं किया गया है। जिसके कारण वह जवाब दाखिल नहीं कर पा रहे हैं। इस परघ वादी अधिवक्ता शशांक सिंह ने कहा कि वाद की प्रति आज ही विपक्षी अधिवक्ता को दे देंगे। दोनों मामलों की सुनवाई 12 अगस्त को दो बजे से होगी। अधिवक्ता का दावा है कि 1670 में औरंगजेब ने श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर का विध्वंस किया था। इस दौरान गर्भगृह के विग्रह को खंडित कर हिंदू धर्म की आस्था को ठेस पहुंचाने के लिए जामा मस्जिद आगरा की सीढियों में लगा दिया गया था। उन्होंने याचिका दाखिल कर जांच के लिए एडवोकेट कमिश्नर नियुक्त करने व एएसआई जांच कराने की मांग की है।

## बड़े हनुमान मंदिर की तरफ तेजी से बढ़ रही हैं गंगा, ढाई सेमी प्रति घंटे की रफ्तार से वृद्धि जारी

प्रयागराज। संगम तट पर गंगा और यमुना का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। गंगा का जलस्तर तेजी से श्री बड़े हनुमान मंदिर की ओर बढ़ रहा है। यही रफ्तार जारी रही तो गंगा का जल मंदिर में प्रवेश कर सकता है। लगातार हो रही बारिश और बाढ़ का पानी गंगा–यमुना में छोड़े जाने के चलते सिंचाई विभाग बाढ़ प्रखंड अलर्ट मोड पर है। फाफामऊ, छतनाग और यमुना नदी में लगातार वृद्धि जारी है। दो से ढाई सेंटी मीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दोनों नदिया बह रही हैं। घाट पर रहने वाले लोग सुरक्षित स्थान की ओर शरण लेने लगे हैं। माता टीला बांध से करीब डेढ़ लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने का असर भी एक दो दिन में दिखेगा। इसके अलावा उत्तराखंड में हो रही बारिश और कई सहायक नदियां उफान पर होने के कारण संगमनगरी में इसका असर पड़ सकता है।

उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और राजस्थान में हो रही भारी बारिश का असर प्रयागराज में दिख रहा है। सहायक नदियों के उफान पर होने के कारण बाढ़ का पानी गंगा और यमुना में छोड़ा जा रहा है। इससे यहां बाढ़ की स्थिति पैदा होने लगी है।

माता टीला बांध के अलावा कानपुर बैराज भी पानी गंगा नदी में छोड़ा गया है। पानी अब किनारे रहने वालों की मुश्किलें बढ़ाने लगी है। घाट के किनारे रहकर रोजी रोटी चलाने वालों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। वह सुरक्षित स्थान खोज रहे हैं।

हनुमान कॉरिडोर पर भी पड़ेगा असर

गंगा और यमुना का जलस्तर बढ़ने के बाद हनुमान मंदिर कॉरिडोर का निर्माण कार्य भी प्रभावित हो सकता है। बीते मंगलवार को ही कार्यदायी संस्था ने कॉरिडोर का निर्माण कार्य प्रारंभ किया था। मंदिर के महंत बलवीर गिरि ने इसके लिए भूमि पूजन भी किया था। बाढ़ का पानी भर जाने के कारण निर्माण कार्य में विलंब हो सकता है।

डेंजर लेवल 84.734 मीटर है : प्रयागराज में गंगा और यमुना का डेंजर लेबल 84.734 है। हालांकि दोनों नदियां अभी चेतावनी बिंदु के काफी नजदीक हैं, बावजूद इसके सिंचाई विभाग अलर्ट मोड पर आ गया है।

# अतीक–अशरफ की 50 करोड़ की जमीन कुर्क होगी

### प्रयागराज में माफिया ब्रदर्स ने सीलिंग की जमीन हथियाई, पुलिस ने खोज निकाली

प्रयागराज। बहुचर्चित उमेश पाल हत्याकांड के बाद आईएस–227 गैंग के सरगना माफिया अतीक–अशरफ और गैंग मेंबरों के खिलाफ शुरू हुई कार्रवाई अब तक जारी है। अतीक–अशरफ की भले ही हत्या हो गई लेकिन माफिया की नामी–बेनामी संपत्तियों पर पुलिस का शिकंजा कस रहा है। अब अतीक–अशरफ की 50 करोड़ से अधिक की कीमत की जमीन पुलिस कुर्क करने की तैयारी में है। पुलिस ने जांच पूरी कर ली है। राजस्व विभाग की जांच भी पूरी हो गई है। जल्द ही इस जमीन को कुर्क करने के लिए गैंगस्टर कोर्ट भेजा जाएगा। जांच में जुटी पुलिस टीमों ने अतीक और अशरफ के नाम रही कसारी मसारी की एक जमीन को खोज निकाला है। पॉश इलाके में यह जमीन 15 हजार 550 वर्ग मीटर है। जमीन की कीमत 50 करोड़ रुपये से अधिक आंकी गई है। यह जमीन सीलिंग की बताई जा रही है। इसकी जांच हो रही है कि स्टेट लैंड सीलिंग की इस जमीन को अतीक अशरफ ने अपने नाम कैसे करा लिया।

2002 में दर्ज हुई अतीक

ब्रादर्स के नाम : वर्ष 2002 में अतीक–अशरफ के नाम यह जमीन दर्ज कराई गई। उससे पहले टिंबर सरदार के नाम यह जमीन दर्ज थी। अतीक–अशरफ से उससे यह जमीन कैसे हथियाई यह पता लगाया जा रहा है। अपने नाम जमीन कराने के बाद माफिया ने यहां गैंग मेंबरों, नौकरों को बसा दिया था। डेयरी, पंचर की दुकान समेत अन्य नौकर आदि यहां रहने लगे। पुलिस ने राजस्व विभाग से इसकी रिपोर्ट तैयार कराई है। अब गैंगस्टर एक्ट के तहत माफिया की इस जमीन को कुर्क करने की तैयारी है।

इससे पहले लखनऊ का सवा करोड़ का घर हुआ कुर्क

आईएस–227 गैंग के सरगना अतीक की करीब 1800 करोड़ की संपत्ति कुर्क की जा चुकी है। इससे पहले माफिया अतीक का लखनऊ का आलीशान मकान राज्य सरकार की संपत्ति में शुमार करने को कार्रवाई पूरी की गई थी। लखनऊ के इस मकान की कीमत सवा करोड़ से अधिक है। यह मकान माफिया की अवैध प्रॉपर्टी के तौर पर चिह्नित किया गया है। हालांकि इसकी मालकिन अतीक की फरार पत्नी शाइस्ता परवीन है। अब इस अचल संपत्ति राज्य सरकार में निहित करने की तैयारी है। माफिया का यह मकान लखनऊ के शेरवानी नगर फैजुल्लागंज में है। इस मकान की कीमत 1.26 करोड़ रुपए आंकी गई है। गुरुवार को इस संपत्ति को राज्य सरकार में निहित करने का पुलिस कमिश्नर कोर्ट से फैसला किया गया। न्यायालय आयुक्त प्रयागराज की ओर से न्यायिक परीक्षण परीक्षण के लिए पत्रावली गैंगेस्टर कोर्ट भेज दी गई। अब आगे की कार्रवाई गैंगस्टर एक्ट के तहत होगी।

माफिया की फरार पत्नी शाइस्ता परवीन के नाम

माफिया का यह मकान 799.256 वर्ग मीटर (8600 वर्ग फीट) में बना है। यह संपत्ति माफिया की पत्नी शाइस्ता परवीन के नाम पर है। यह मकान सितंबर 2022 में कुर्क किया गया था। कहा जा रहा है कि अतीक ने इस संपत्ति को भी दबंगई और काली कमाई से अर्जित किया था। पुलिस कमिश्नर कोर्ट ने कुर्क संपत्ति के वैध आय स्त्रोत से अर्जित करने के बारे में साक्ष्य प्रस्तुत करने के लिए माफिया परिवार को वक्त दिया था। इसके बाद भी अतीक परिवार इस संपत्ति के बारे में साक्ष्य नहीं दे सका। पुलिस कमिश्नर कोर्ट ने कुर्की की कार्रवाई को न्याय संगत माना। साथ ही इस पुलिस कमिश्नर कोर्ट के फैसले के न्यायिक परीक्षण के लिए पत्रावली गैंगेस्टर कोर्ट को भेज दी गई है।

## कुएं का पानी पीने से 7 दिन में 4 मौतें

*प्रयागराज में 22 लोग बीमार हुए, पेट दर्द से तड़प रहे बच्चे, हेल्थ टीम ने बांटी दवाएं*

प्रयागराज। प्रयागराज में गंगापार इलाके में कुएं का दूषित पानी पीने से 7 दिनों में 4 लोगों की मौत से खलबली मच गई है। गांव के 22 लोगों बीमार हैं। उनका इलाज अस्पतालों में चल रह है। मरने वालों में दो बच्चे भी हैं। बीमारों में भी बच्चों की संख्या ज्यादा है। बताते हैं कि कुएं का पानी इतना दूषित है कि बच्चों के पेट तेज दर्द होने लग रहा। साथ ही डायरिया समेत अन्य परेशानी हो रही है। हाल यह है कि उस गांव के लोग पड़ोस के गांव से पानी लाकर पीने को मजबूर हैं। मौतें और बीमार होने वालों के बढ़ते आंकड़ों से गांव में आक्रोश है। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने पहुंच जांच में जांच की। दवाओं को भी बांटा गया है। कुएं के पानी की जांच की जा रही है।

गांव में गुस्सा, शिकायत नहीं सुनी गई : मामला हंडिया तहसील के भदवा गांव का है। यहां दूषित पानी की शिकायत काफी दिनों से की जा रही थी। गांव में पानी पीने के लिए महज एक ही कुएं है। मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर पहुंच जांच में जुटी है। लोगों को कुएं का पानी न पीने को कहा गया है।

गांव के लोगों का आरोप है कि वह कई दिनों से प्रधान समेत अन्य अधिकारियों से शिकायत कर रहे थे लेकिन उनकी नहीं सुनी गई। जब दो मौतें हुई तो यही कहा गया कि बीमारी से मरें। जब हर घर के बच्चे पानी पीते ही पेट दर्द से रोने लगें तो मामला समझ में आया।

इनकी हुई मौत : भदवा गांव की तीन साल की संजना, 10 साल के दिवाकर, 35 साल के चन्नर और 70 साल की मटूरी देवी की मौत हुई है। बीमार होने वालों में सत्यम, कुसुम, लक्ष्मी, सुदंरम, सिंटू, आनंद, आश्वनी, जीतलाल, शिव हरि, उर्मिला, सन्नो देवी, दिपांशु आदि हैं।

## प्रयागराज में 32 लाख का घर बेचा, नहीं मिली फूटी–कौड़ी

*पैसों की लालच में दोस्त ने धोखा दिया, बुजुर्ग न्याय की गुहार लगा रहा*

फूलपुर, प्रयागराज। प्रयागराज के उतरांव थाना क्षेत्र में 85 साल के बुजुर्ग ने बीते साल 32 लाख रुपए का घर तो बेच दिया

लेकिन बुजुर्ग को फूटी कौड़ी नहीं मिली। बुजुर्ग का आरोप है कि उसका जिगरी दोस्त ही धोखा दे गया। पीड़ित बुजुर्ग न्याय के लिए थाने पर गुहार लगा रहा है। उतरांन बाजार निवासी जिंदगी के अंतिम पायदान पर खड़े 85 साल के बुजुर्ग हरी लाल केशरवानी का क्षेत्र के नीमि थरिया गांव निवासी शंकर लाल केशरवानी से गहरी दोस्ती थी। इसलिए बुजुर्ग का कहना है कि वह बाजार में स्थित अपने दो मंजिला मकान को बीते साल 32 लाख रुपए में शंकर लाल केशरवानी को उधार ही बैनामा कर दिया। दोस्ती की वजह से ही हरी लाल केशरवानी ने रजिस्ट्री दफ्तर में अफसर के सामने पैसे मिल जाने की बात भी कबूल ली। लेकिन अब हरिलाल का आरोप है कि दोस्त ही दगा दे गया। उसे फूटी कौड़ी भी नहीं दिया गया। वही शंकर लाल केशरवानी का कहना है कि 17 लाख रुपए नगद और 1 लाख का चेक दिया गया। पीड़ित बुजुर्ग ने बताया कि एक भी कौड़ी मकान का पैसा नहीं मिला है। पैसे के ही कारण उसकी शंकर लाल के द्वारा हत्या कराया जा सकता है। पीड़ित बुजुर्ग हरी लाल ने थाने पर प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है। पुलिस के लिए जांच का विषय है कि पीड़ित को देने के लिए आखिर 17 लाख रुपए कब निकाला गया। वहीं पीड़ित को दिया गया कि एक लाख के चेक का पैसा कब खाते में गया।


**पूजा विशेष रेलगाड़ी का संचालन**

भारतीय रेल प्रशासन द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये, निम्नलिखित पूजा विशेष रेलगाड़ी के संचालन का निर्णय लिया गया है। जिसका विवरण निम्नवत् हैः-

गाड़ी सं. 03109/03110 सियालदह-वडोदरा जं.-सियालदह पूजा विशेष रेलगाड़ी

| 03109 सियालदह-वडोदरा जं. | | | 03110 वडोदरा जं.-सियालदह | |
|---|---|---|---|---|
| आगमन | प्रस्थान | स्टेशन | आगमन | प्रस्थान |
| --- | 08:10 | सियालदह | 04:05 | --- |
| 23:00 | 23:05 | प्रयागराज जं. | 10:50 | 10:55 |
| 01:05 | 01:10 | कानपुर सेन्ट्रल | 08:45 | 08:55 |
| 04:10 | 04:15 | टूण्डला जं. | 05:40 | 05:45 |
| 05:00 | 05:05 | आगरा फोर्ट | 04:50 | 04:55 |
| 20:00 | --- | वडोदरा जं. | ---- | 16:45 |

- सियालदह से : गाड़ी सं. 03109 दिनांक 01.10.24 से 26.11.24 तक प्रत्येक मंगलवार
- वडोदरा जं. से : गाड़ी सं. 03110 दिनांक 03.10.24 से 28.11.24 तक प्रत्येक गुरुवार
- गाड़ी संरचना : वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी-01, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी-05, स्लीपर श्रेणी-10, सामान्य श्रेणी-03, एसएलआरडी-02

नोट : ट्रेन समय-सारणी सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वैबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें

उत्तर मध्य रेलवे 1397/24 (D)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

# आद्या प्रसाद सिंह प्रदीप ने लोक साहित्य को संजोकर हिन्दी का उपकार किया है - डॉ.एम.पी.सिंह

## - कवि प्रदीप के जन्मदिन पर सम्मानित हुई आठ विभूतियां

सुलतानपुर । लोक साहित्य में किया गया डॉ.आद्या प्रसाद सिंह प्रदीप का काम ऐतिहासिक है । वे अवधी के जीवित इतिहास हैं। उन्होंने लोक साहित्य को संजोकर हिंदी का उपकार किया है। वे सच्चे अर्थों में लोक भूषण हैं।श यह बातें वरिष्ठ भाजपा नेता , साहित्यकार व राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय के पूर्व समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ.एम.पी.सिंह ने कहीं।

वे रणवीर राजकुमार इंटर कालेज बरवारीपुर में साहित्य कला संस्कृति सम्वर्द्धन न्यास द्वारा आयोजित लोक भूषण डॉ आद्या प्रसाद सिंह प्रदीप के अस्सीवें जन्मदिन पर आयोजित संगोष्ठी व सम्मान समारोह को बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित कर रहे थे

विशिष्ट अतिथि कथा समवेत के सम्पादक डॉ. शोभनाथ शुक्ल ने कहा कि लोकभाषा को सरल और सहज बनाकर पाठकों के सामने प्रस्तुत करना कवि प्रदीप की विशेषता है।

पूर्व प्राचार्य हनुमान सिंह अभिषेक ने कहा कि अवध की साहित्यिक परम्परा बिना प्रदीप के पूरी नहीं होती ।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए प्रोफेसर रामहित त्रिपाठी ने कहा कि अस्सी साल की उम्र में एक सौ साठ से अधिक कृतियों की रचना करने वाला साहित्यकार हिंदी में दूसरा नहीं है। इसलिए आद्या प्रसाद सिंह प्रदीप अद्वितीय साहित्यकार हैं।

सत्यनाथ मठ के पीठाधीश्वर कपाली बाबा ने कहा कि प्रदीप अवधी साहित्य के एक युग हैं। अवधी का इतिहास इनके बिना अधूरा है।

इंद्रजीत सिंह अर्चक ने आद्या प्रसाद सिंह प्रदीप के व्यक्तित्व व कृतित्व पर व्यापक चर्चा की।

सरस्वती वंदना राजबहादुर राना , स्वागत डॉ.सुशील कुमार पाण्डेय साहित्येन्दु , संचालन वरिष्ठ साहित्यकार मथुरा प्रसाद सिंह जटायु व आभार ज्ञापन न्यास के सचिव पवन कुमार सिंह ने किया।

इस अवसर पर डॉ. करुणेश भट्ट, ज्ञानेन्द्र विक्रम सिंह रवि, अवनीश त्रिपाठी, सर्वेश कांत वर्मा , डॉ ओंकारनाथ द्विवेदी आदि ने भी अपने विचार रखे।

हर गोविंद सिंह, दिनेश प्रताप सिंह चित्रेश , हरि प्रसाद शुक्ल, राममूर्ति यादव, नरेन्द्र शुक्ल , प्रधानाचार्य सुभाष चंद्र यादव परदेशी , अंचल , इंदु , श्रीश आदि उपस्थित रहे।

### इन्हें मिला सम्मान –

समारोह में प्रतापगढ़ के साहित्यकार कुंजबिहारी लाल मौर्य काका श्री को राम नरेश त्रिपाठी स्मृति लोक साहित्य रत्न सम्मान, वरिष्ठ साहित्यकार मथुरा प्रसाद सिंह जटायु को डॉ. जयसिंह व्यथित स्मृति अवधी साहित्य रत्न सम्मान , कहानीकार सुरेश चन्द्र शर्मा को मान बहादुर सिंह स्मृति कथा साहित्य रत्न सम्मान , राम लखन प्रजापति लखन प्रतापगढ़ी को रामानुज त्रिपाठी स्मृति बाल साहित्य रत्न सम्मान, अशोक पाण्डेय अनहद को त्रिलोचन शास्त्री स्मृति काव्य साहित्य रत्न सम्मान, कांति सिंह को धनंजय सिंह एडवोकेट शिक्षा रत्न सम्मान , प्रसिद्ध सर्जन डॉ.ए.के.सिंह को धरती के भगवान चिकित्सा रत्न सम्मान तथा प्रयागराज के वरिष्ठ पत्रकार भगवान प्रसाद उपाध्याय को रामकृष्ण जायसवाल स्मृति पत्रकारिता रत्न सम्मान प्रदान किया गया। मंचस्थ अतिथियों ने सभी को अंगवस्त्र, सम्मान पत्र, स्मृति चिन्ह व पुष्पमाला देकर सम्मानित किया।

दो सत्रों में होने वाले इस समारोह में पवन कुमार सिंह द्वारा रचित महाकाव्य श्रीबनादासचरित का लोकार्पण किया गया । इस कृति पर सुरेश चंद्र शर्मा ने अपने विचार रखे। लखन प्रतापगढ़ी के बाल पहेली संग्रह बूझो तो जाने पर प्रयागराज के डॉ.अमरनाथ सिंह का वक्तव्य हुआ। साथ ही श्कवि प्रदीप जीवन एवं साहित्यश विषय पर परिचर्चा हुई ।

## होटल व्यवसाई की बेटी अंजलि अग्रवाल विलक्षण प्रतिभा की धनी,अमेरिका से करेंगी पीएचडी

प्रयागराज ।बेटियां किसी भी मामले में और किसी भी क्षेत्र में अब कम नहीं है,यह बात अंजलि अग्रवाल ने सच साबित किया है।अपने दृढ़ संकल्प और अथक परिश्रम से उच्च स्तरीय शोध के लिए उनका विदेश में चयन हुआ है। अब पीएचडी की पढ़ाई पूरी करने अमेरिका जा रही है। रामबाग निवासी अंजलि अग्रवाल का चयन उच्च स्तरीय शोध पीएचडी के लिए अटलांटा अमेरिका के जॉर्जिया इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी में हुआ है । अंजलि ने आईआईटी पलक्कड़ से बीटेक किया है अंजलि की स्कूली शिक्षा गर्ल्स हाई स्कूल से हुई है अंजलि अग्रवाल बताती है कि उनके पिता आलोक अग्रवाल एक होटल व्यवसाई हैं और मां श्वेता अग्रवाल ग्रिहणीं हैं उनके शैक्षणिक जीवन में प्रयागराज से अमेरिका तक की पढ़ाई करने की उड़ान माता–पिता और गुरू जनों के आशीर्वाद से संभव हुआ है अब विदेश में पढ़कर डॉक्टरेट की डिग्री हासिल करना ही उनका लक्ष्य है अंजलि अग्रवाल के माता–पिता का कहना है कि अंजलि पढ़ाई में ब्रिलियंट है करियर को लेकर हमेशा गंभीर रही है उसकी सफलता उसके संघर्ष का परिणाम।

## भगवान श्री चित्रगुप्त जन आशीर्वाद यात्रा एवं पर्यावरण सुरक्षा जन जागरण अभियान

*शुभारंभ 09 अगस्त 2024 श्रावण मास (नागपंचमी) को मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले से श्री चित्रगुप्त पीठ, वृंदावन तक (दिनांक 09अगस्त से 14अगस्त तक)'*

छतरपुर। श्रावण मास की नागपंचमी पर भगवान श्री चित्रगुप्त जी की जन आशीर्वाद यात्रा एवं पर्यावरण सुरक्षा हेतु जन जागरण अभियान का मुख्य उद्देश्य भगवान श्री चित्रगुप्त जी को हर मन– हर घर में स्थापित करना एवं जगत के समस्त प्राणियों को प्रभु का आशीर्वाद प्राप्त हो और सुख शांति समृद्धि व वैभव समस्त भक्त जनों के गृह–व्यापार व रोजगार में सदैव बना रहे। प्रभु की यात्रा को समस्त जिलों में स्थित भगवान श्री चित्रगुप्त जी के मंदिर में पहुंच कर नगर वासियों को प्रभु के दर्शन लाभ कराने का प्रयास श्री चित्रगुप्त पीठ के पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी सच्चिदानंद पशुपति जी महाराज द्वारा किया जा रहा है। आईये हम सभी मिलकर स्वामी जी के संकल्प को पूर्ण करने में अपनी अपनी आहुति देते हुए प्रभु की संसार की प्रथम पीठ जो वृंदावन में स्थापित हो रही है, वहां पर स्थापित होने वाली प्रभु के विग्रह ,चरण पादुका एवं शिला का पूजन कर प्रभु का आशीर्वाद प्राप्त कर इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बने।'

## कालिन्दी स्मृति श्रद्धांजलि सभा के दौरान लोगों ने दी श्रद्धांजलि

करछना।जमुनापार जागृति मिशन के संयोजक डॉ.भगवत पांडेय की मां कांलिदी के निधन पर मंगलवार को बृज मंगल सिंह इंटर कालेज रामपुर में आयोजित श्रद्धांजलि सभा के दौरान लोगों ने उन्हे याद करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किया।इस दौरान क्षेत्र के प्रवुद्दजनों,कवियों, कलाकारों, शिक्षाविदों,

समाजसेवियों और क्षेत्रीय राजनायिकों ने उनकी सादगी,स्वभाव,अपनी माटी और अपने गांव से लगाव की प्रशंसा करते हुए श्रद्धांजलि दी।इस दौरान विधायक पीयूष रंजन निषाद ने कहा कि ऐसी धर्मनिष्ठ मां के चलते आज संपन्न और फूलता –फलता परिवार उन्हीं की त्याग और साधना के साथ–साथ संस्कार का जीता जागता उदाहरण है।पूरे परिजनों पर मां की छाया सदैव विद्यमान रहेगी।कवि डा.राजेंद्र शुक्ल,डा. वीरेंद्र सिंह कुसुमाकर,महाकवि त्रिफला,पूर्व प्रधानाचार्य सिद्धनाथ झा, ओंकार नाथ द्विवेदी,रामेश्वर द्विवेदी और वी.के. तिवारी ने भी काव्य पंक्तियों से श्रद्धासुमन अर्पित किये।

लोगों ने कांलिदी के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए उन्हे याद किया।अंत में डा.पाण्डेय ने सभी के प्रति आभार प्रकट किया।इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ.वीके सिंह,पूर्व विधायक आनंद कुमार पांडेय,कमलेश द्विवेदी,जिला बार के पूर्व अध्यक्ष उमाशंकर तिवारी,भाजपा जिलाध्यक्ष विनोद प्रजापति,प्रधानाचार्य मदन मोहन शंखधर,शिवदत्त पटेल,ज्ञान सिंह पटेल,संकठा द्विवेदी,बृजेश तिवारी,

इंद्रनाथ मिश्र,मुन्नन शुक्ला,राजेश चंद्र तिवारी,डा. चंद्रदेव मिश्र,चिंतामणि शुक्ला,

हंसराज सिंह,रंगराज सिंह,गुड्डू मिश्रा,

मनीष तिवारी,सूर्यकांत त्रिपाठी,आचार्य चंद्रिका शुक्ल,शशिकर द्विवेदी,राकेश मिश्रा,शेषधर मिश्रा, उमाशंकर गांधी,अरुण तिवारी, विमल शुक्ल,अशोक सिंह, सुनील प्रजापति सहित बडी संख्या में लोग मौजूद रहे।

## वॉलीबाल पदाधिकारियों का हुआ भव्य स्वागत व अभिनन्दन

### यू.पी.वश्वलीबाल संघ के चुनाव में आर.पी.शुक्ला टेक्निकल चौयरमैन तथा प्रभात राय संयुक्त सचिव के पद पर हुए निर्वाचित।

प्रयागराजं जनपद के मेजारोड चौराहे पर फ्रेंड्स क्लब मेजा के खिलाड़ियों व स्थानीय लोगों द्वारा जिला वॉलीबाल संघ प्रयागराज के अवैतनिक महासचिव आर.पी.शुक्ला तथा अध्यक्ष प्रभात कुमार राय का भव्य स्वागत व अभिनन्दन किया गया,क्योंकि उपरोक्त दोंनो पदाधिकारियों को प्रदेशीय वॉलीबाल संघ के महत्वपूर्ण पदों पर चुना गया है। विदित हो कि गत दिवस रविवार को लखनऊ स्थित के.डी.सिंह बाबू स्टेडियम में उत्तर प्रदेश वॉलीबाल संघ का चुनाव संपन्न हुआ था। जिसमें प्रयागराज जिले के आर.पी.शुक्ला को टेक्निकल चेयरमैन तथा प्रभात राय को सँयुक्त सचिव के पद पर चुना गया है। प्रदेशीय वॉलीबाल संघ में पदाधिकारियों को चुने जाने से खेल जगत में प्रयागराज का सम्मान व गौरव बढ़ा है। उक्त दोनों पदाधिकारियों को प्रयागराज

जनपद में वापस लौटने पर जनपद के वॉलीबाल खिलाड़ी व खेल प्रेमियों द्वारा जगह–जगह पर स्वागत एवं अभिनन्दन किया जा रहा है। उसी क्रम में दोपहर मेजारोड चौराहे के व्यापार मंडल के कार्यालय पहुँचने पर फ्रेंड्स क्लब मेजा के खिलाड़ियों द्वारा तिलक लगाकर व माल्यार्पण कर जोरदार स्वागत किया गया और मिठाई खिला कर सभी का मुह मीठा किया गया। उक्त अवसर पर व्यापार मंडल मेजारोड के अध्यक्ष पप्पू उपाध्याय, के.बी.एल.श्रीवास्तव, कुशल कांत मिश्रा, अंकित शुक्ला, प्रभाकर चौबे, मुकेश शुक्ला, गुलजार यादव, असफाक अहमद, कार्तिकेय त्रिपाठी, विवेक शुक्ला, अंकित विश्वकर्मा, आदिल अंसारी, कमलेश कुमार, चंचल प्रजापति, अनुज मिश्रा, रजत पांडेय, आदर्श मिश्रा, रजनीश कुमार, प्रांजल दुबे आदि बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहें।।

## नवनियुक्त एनसीआर सीपीआरओ से मिले एनयूजे पदाधिकारी दी बधाई दिया पूर्ण सहयोग का भरोसा

प्रयागराज। आज उत्तर मध्य रेलवे के नवनियुक्त मुख्य मे यूनियन के पदाधिकारी उत्तर मध्य रेलवे के नव नियुक्त मुख्य

जनसम्पर्क अधिकारी शशिकांत त्रिपाठी से उनके कार्यालय मे नेशनल यूनियन आफ जर्नलिस्ट के पदाधिकारियो ने मुलाकात की । नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट प्रयागराज के जिला अध्यक्ष कुन्दन श्रीवास्तव के नेतृत्व जनसम्पर्क अधिकारी शशिकांत त्रिपाठी को गुलदस्ता देकर बधाई और शुभकामना दी । वही मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी शशिकांत त्रिपाठी ने कहाँ मिडिया और विभाग मे बेहतर सांमजस्य है और इस सामंजस्य को और बेहतर बनाया जाएगा श्री त्रिपाठी ने कहाँ कि रमय समय पर मिडिया तथा विभाग दूारा निरंतर सकारात्मक बिषयो पर वार्ता होती रहेगी ।वही यूनियन के जिला अध्यक्ष कुन्दन श्रीवास्तव ने नए मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी को हर सम्भव सहयोग का भरोसा दिया तथा कुंभ 2025 को लेकर रेल दूारा सभी कार्यों को बेहतर ढंग से स्थान दिया जा रहा है और इसे और भी बृहद और बेहतर स्थान दिया जाएगा । बधाई देने वालो सर्वश्री कमल श्रीवास्तव परवेज आलम कुन्दन श्रीवास्तव अखिलेश शुक्ला रंजीत निषाद सौरभ आदर्श मधुर दरबारी आदि अन्य पदाधिकारी शामिल थे।

## महिला मंडल द्वारा तीज त्यौहार समारोह का हुआ आयोजन

प्रयागराज समहिला मंडल द्वारा तीज त्यौहार समारोह आयोजन किया गया सइस कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण से किया गयास महिला मंडल की तरफ से हरियाली तीज आयोजन सदस्यों ने झूला झुलाकर तीज की खुशियां मनाएं सभारतीय संस्कृति से जुड़ी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया सइसमें मुख्य रूप से विभा जैन बाला जैन स्वाति जैन मीनू जैन मोनिका जैन चारू जैन खुशबू जैन समाज की सभी महिलाओं ने बढ़–चढ़कर अपने उपस्थिति दर्ज कराई और कार्यक्रम मैं खूब आनंद उठाया यह कार्यक्रम जैन धर्मशाला जीरो रोड पर संपन्न हुआ।

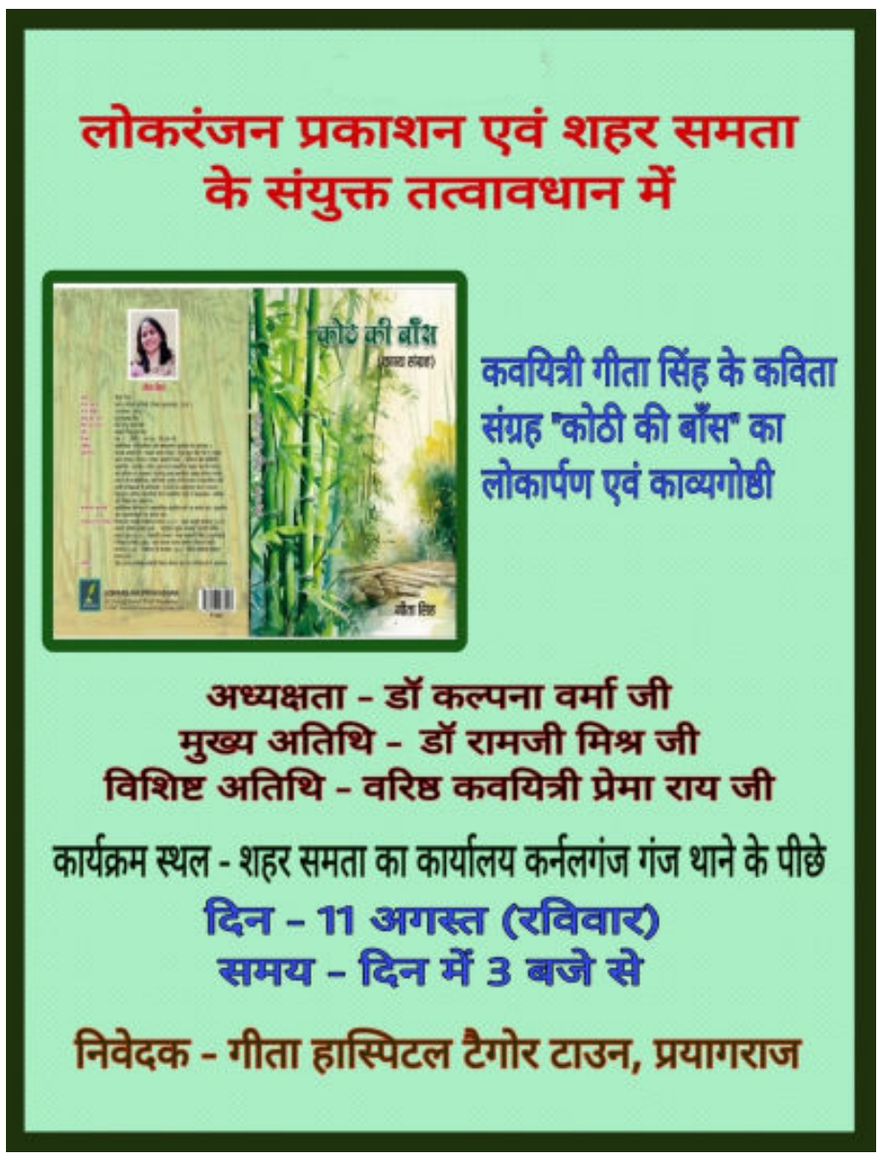


## संक्षिप्त

### शौचालय की दीवार गिरी, युवक ने इलाज के दौरान दम तोड़ा

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ में शौचालय की दीवार गिरने से युवक की मौत हो गई। घटना सोमवार रात की है। घायल युवक को सिविल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान मंगलवार को उसकी मौत हो गई। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। घटना महानगर थाना क्षेत्र के पुरवा कॉलोनी की है। जानकारी के मुताबित, सुजीत कुमार झा (35) अपनी पत्नी के साथ पुरवा कॉलोनी में किराए के मकान में रहता था। मृतक की पत्नी चंदा देवी ने बताया कि सोमवार की रात उनके पति पर अचानक शौचालय की दीवार गिर गई, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए थे। तत्काल उन्हें महानगर स्थित सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। रात से ही लगातार उनका इलाज चल रहा था। आज इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पत्नी ने बताया कि दीवार गिरने से उनके शरीर पर कई जगह गंभीर चोट आई थी और खून भी काफी ज्यादा बह गया था। पत्नी ने बताया कि हम यहां किराए पर रह रहे थे। सुजीत कुमार झा मजदूरी करके अपने परिवार का पेट पालते थे। चंदा देवी ने बाताया कि वह लोग मूल रूप से ग्राम पवित्र नगर, थाना फतेहपुर, जिला शिवहर, बिहार के रहने वाले हैं। उन्होंने बताया कि फिलहाल परिवार के अन्य सदस्य सुरक्षित हैं और किसी को चोट नहीं आई है।

### यूपी में पांच लाख के पैकेज पर रखे जायेंगे डॉक्टर

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में एक बार फिर पांच लाख रुपये प्रतिमाह के मानदेय पर डॉक्टरों की तैनाती की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। विभिन्न जिलों में 24 विषय के 1056 डॉक्टरों के लिए पांच अगस्त से आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो गई है।आवेदन की अंतिम तिथि पांच सितंबर हैं।प्रदेश में डॉक्टरों की कमी को देखते हुए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत विषय विशेषज्ञों को भर्ती करने की नई प्रक्रिया अपनाई गई है। इसमें संबंधित सीएचसी अथवा जिला अस्पताल में खाली पद के लिए आवेदन करने वाले डॉक्टर को यह बताना होगा कि वह कितने रूपये में काम करेंगे। अधिकतम मानदेय पांच लाख रुपये प्रतिमाह है। यदि संबंधित पद के लिए पांच आवेदन आते हैं तो जो सबसे कम मानदेय में काम करने के लिए राजी होगा, उसे तैनाती दी जाएगी। प्रदेशभर में होने वाली 1056 पदों में 423 सामान्य, 105 ईडब्ल्यूएस, 285 ओबीसी, 222 एससी और 21 एसटी वर्ग के लिए आरक्षित है। आवेदन की अधिकतम उम्र 65 वर्ष के कम है।एनएचएम के मुताबिक एनेस्थेटिस्ट के 264, चेस्ट फिजीशियन के दो, कंसल्टेंट मेडिसिन के 126, एमडी मेडिसिन के तीन, फिजिशियन के सात, मेडिसिन स्पेशलिस्ट के 20, ईएनटी के 19, साइकियाट्रिक के 27, गायनेकोलॉजिस्ट के 147,माइक्रोबायोलॉजिस्ट के पांच, आर्थोपेडिस्क के 18, पीडियाट्रिक के 18, पैथोलॉजिस्ट के 41, वरिष्ठ कंसल्टेंट के पांच, कंसल्टेंट के नौ, रेडियोलॉजिस्ट के 45, आथ्मोलॉजिल्ट के 16, सर्जन के दो, जनरल सर्जन के79 पद हैं। दोदो सुपर स्पेशियलिटी में गैस्ट्रोलॉजिस्ट, कार्डियोलॉजिस्ट,नेफ्रोलॉजिस्ट, इंडोक्राइनोलॉजिस्ट, न्यूरोलॉजिस्ट के पद हैं।

### बदले मौसम के तेवर,तेज हवाओं के साथ हुई बारिश

लखनऊ, एजेंसी। मोहनलालगंज में मौसम का मिजाज लगातार बदल रहा है। बारिश और धूप के बीच तेज हवाओं का भी असर दिखाई दे रहा है। इस क्षेत्र में आज का अधिकतम तापमान 31 सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 27 सेल्सियस दर्ज किया गया है। बारिश के तुरंत बाद तेज धूप के कारण उमस बढ़ गई है। अचानक हुई बारिश के कारण वातावरण ठंडा हुआ, लेकिन तेज धूप और उमस से लोग परेशान हो रहे हैं। बदलता मौसम लोगों के स्वास्थ्य पर भी प्रभाव डाल सकता है। खासकर बुजुर्गों और बच्चों पर। हाल ही में बदलते मौसम और उमस भरे दिनों के बाद तेज हवाओं ने स्थानीय लोगों को बड़ी राहत दी है। लगातार बारिश और धूप के बीच उमस ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया था, लेकिन तेज हवाओं के चलते वातावरण में ताजगी और ठंडक आ गई है। तेज हवाओं ने न केवल उमस को कम किया, बल्कि बारिश के बाद के तापमान में भी गिरावट आई है।

### भिक्षावृत्ति रोकने में मदद करेगा सिविल डिफेंस, बैठक कर बनाई गई रणनीति

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ शहर में जिलाधिकारी,मुख्य विकास अधिकारी के निर्देशानुसार भिक्षावृत्ति उन्मूलन अभियान चलाया जाएगा। इसमें सिविल डिफेंस, नगर निगम, पुलिस, उम्मीद सामाजिक संस्था, लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य डिपार्टमेंट के स्टूडेंट सहयोग करेंगे। लखनऊ सिविल डिफेंस के सीनियर असिस्टेंट डिप्टी कंट्रोलर मनोज वर्मा ने बताया कि उपनियंत्रक अनीता प्रताप के आदेशानुसार उक्त अभियान में सहयोग के लिए नागरिक सुरक्षा लखनऊ से प्रथम चरण मे 48 स्वयंसेवकों द्वारा सहभागिता की जाएगी। इसके तहत प्रत्येक प्रखंड से 6–6 कर्मठ वार्डन को सर्वोदय नगर स्थित विकास भवन सभागार में आयोजित बैठक में जिला प्रोवेशन अधिकारी विकास सिंह और डूडा के परियोजना अधिकारी, द्वारा एक बैठक में आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। तत्पश्चात सभी आठ जोन की एक एक टीम बनाई गई, जो शहर के अलग अलग क्षेत्र में जाकर सर्वे करके आवश्यक डाटा उपलब्ध कराएंगे। बैठक मे सिविल डिफेंस लखनऊ के प्रखण्ड गोमती नगर के प्रस्तावित वार्डन नफीस अहमद, आशीष कुमार, शाजिया सिद्दीकी, वारिस अली खान, मोहम्मद अलीम, संदीप कुमार, नागरिक सुरक्षा लखनऊ से स्टाफ अफसर राजेंद्र कुमार श्रीवास्तव, सुमित साहू, गुफरान, प्रदीप शर्मा, सईद अख्तर, केआर पाल आदि वार्डन उपस्थित रहे।

### जमीन की धोखाधड़ी का केस दर्ज,एक जमीन दो पार्टियों को बेचने का आरोप

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ के पीजीआई राजीव नगर, घोसियाना निवासी राज डेवलपर्स प्रा लि. के संचालक रियाजुल हक ने बिजनौर के इमरान अली, परवीन बानो,फैज अली,जैनब बानो आदि के खिलाफ रजिस्टर्ड एग्रीमेंट के बावजूद धोखाधड़ी कर चुपके से दूसरे के हाथों जमीन बेचने की की रिपोर्ट दर्ज कराई है। रियाजुल का कहना है कि उसने 27मई 2019 को बिजनौर की जमीन मो. इमरान अली से रजिस्टर्ड एग्रीमेंट कराया था। उस दौरान जमीन की कीमत 18 लाख 24 हजार रुपए तय हुई। इमरान को बयाना के तौर पर 3 लाख रुपए दिए थे। बाकी रकम 1 वर्ष में देकर बैनामा कराने की बात तय हुई थी। रियाजुल का कहना है कि कोरोना काल के बीच कई बार में इमरान अली को 2 लाख रुपए नगद दिए।

# सम्पादकीय.....

## न्याय के अहसास

देश के प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की इस स्वीकारोक्ति ने हर संवेदनशील भारतीय के मन को छुआ कि अदालतों में लंबे समय से लंबित मामलों से तंग आकर लोग बस समझौता करना चाहते हैं। वैसे तो इस बात को सभी महसूस करते हैं लेकिन न्यायिक व्यवस्था के शीर्ष पर आसीन मुख्य न्यायाधीश की स्वीकारोक्ति के गहरे निहितार्थ हैं। उन्होंने कहा कि लोग अदालतों में मुकदमों के लंबे खिंचने से इतने त्रस्त हो जाते हैं कि किसी तरह समझौता करके पिंड छुड़ाना चाहते हैं। न्यायमूर्ति ने स्वीकारा कि एक जज के रूप में यह स्थिति हमारे लिए चिंता का विषय होनी चाहिए। उन्होंने माना कि इन स्थितियों में किसी तरह का समझौता समाज में पहले से व्याप्त असमानता को ही दर्शाता है। उन्होंने वादों के शीघ्र निपटान में लोक अदालतों की महत्वपूर्ण भूमिका को भी स्वीकार किया। निस्संदेह, गाहे–बगाहे न्यायपालिका, कार्यपालिका व विधायिका द्वारा न्याय मिलने में होने वाली देरी को लेकर चिंता जरूर जतायी जाती है,लेकिन इस जटिल समस्या के समाधान की दिशा में बदलावकारी प्रयास होते नजर नहीं आते। जिसके चलते तारीख पर तारीख का सिलसिला चलता ही रहता है। न्याय के इंतजार में कई–कई पीढ़ियां अदालतों के चक्कर काटती रह जाती हैं। देश में शीर्ष अदालत, उच्च न्यायालयों और निचली अदालतों में मुकदमों का अंबार निश्चित रूप से न्यायिक व्यवस्था के लिये असहज स्थिति है। बताया जाता है कि देश में तीनों स्तरों पर करीब पांच करोड़ मामले लंबित हैं। निश्चित ही यह न्यायिक व्यवस्था के लिये एक गंभीर चुनौती है। जिसके बाबत देश के नीति–नियंताओं को गंभीरता से विचार करना चाहिए। निस्संदेह, भारत दुनिया में सबसे बड़ी आबादी वाला देश है। लेकिन इतनी बड़ी आबादी के अनुपात में पर्याप्त न्यायाधीशों व न्यायालयों की उपलब्धता नहीं है। निश्चित रूप से न्याय का मतलब न्याय मिलने जैसा होना चाहिए। न्याय समाज में महसूस भी होना चाहिए। देश में न्याय की प्रक्रिया सहज व सरल तथा आम आदमी की पहुंच वाली होनी चाहिए। राज्यों की क्षेत्रीय भाषाओं में न्यायिक प्रक्रिया की मांग लंबे समय से की जाती रही है। इस दिशा में कुछ प्रयास हुए भी हैं लेकिन अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। जिससे तारीख पर तारीख का सिलसिला थम सके। जिसके लिये जरूरी है कि अदालती मामलों का तय समय सीमा में निपटारा किया जाना सुनिश्चित हो। उम्मीद की जा रही है कि हाल ही में लागू हुए तीन नये आपराधिक कानूनों के लागू होने के बाद स्थिति में सुधार हो सकेगा। केंद्र सरकार भी कहती रही है कि नये कानूनों का मकसद लोगों को सजा देने के बजाय न्याय दिलाने पर केंद्रित है। विश्वास किया जाना चाहिए कि इन प्रयासों से मुकदमों के निस्तारण में गति आएगी। देश की जनता उम्मीद लगाए बैठी है कि दशकों से लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण हो। जिससे न्यायिक प्रक्रिया से हताश–निराश लोग समझौता करने को बाध्य न हों। विश्वास किया जाना चाहिए कि मुख्य न्यायाधीश की चिंता के बाद न्यायिक प्रक्रिया को सरल–सुगम बनाने के लिये अभिनव पहल हो सकेगी। जिससे आम लोगों की समय पर न्याय मिलने की आस पूरी हो सकेगी।

# विश्व शांति को फिर खतरा

**एजेंसी**

*फिलीस्तीन समर्थक इस्लामिक देशों की एकजुटता को देखकर इजरायल ने भी अपनी तैयारियां पूरी कर ली हैं। उसने अपने नागरिकों को बचाव सम्बन्धी सभी उपाय करने हेतु आगाह किया है।*

मध्य–पूर्व में एक बड़े युद्ध की आहट सुनाई दे रही है। इजरायल के खिलाफ ईरान ने हमले की न केवल चेतावनी दे दी है बल्कि खुद इजरायल भी इससे बचाव की तैयारियां कर रहा है। माना जा रहा है कि 12–13 अगस्त तक यह आक्रमण हो सकता हैय और जैसा कि कहा जा रहा है, यह भीषण होगा। इस लड़ाई के लिये दोनों पक्षों की होती लामबन्दी से भी इसकी कल्पना की जा सकती है। अगर इसे समय रहते न रोका गया तो बड़ी तबाही की सम्भावना से इंकार नहीं किया सकता। हमास के राजनैतिक प्रमुख इस्माईल हानिया और हिजबुल्लाह के टॉप कमांडर फाउद शुकर की हत्या से इजरायल के विरूद्ध और ईरान का साथ देने के लिये लेबनान, यमन, सीरिया और जॉर्डन आ गये हैं। ईरान ने सीरिया से इजरायल पर ड्रोन हमले की तैयारी की है। जॉर्डन तथा लेबनान के कई आतंकी संगठन भी इस लड़ाई में ईरान का साथ देने के लिये मोर्चाबन्दी कर रहे हैं। शुक्रवार को जब हानिया को कतर की राजधानी दोहा में दफनाया गया तो कध्तर तथा फिलिस्तीनी संगठनों के कई बड़े नेता और कमांडर उपस्थित थे जिन्होंने इस लड़ाई को आगे बढ़ाने का मंसूबा जाहिर किया। फिलीस्तीन समर्थक इस्लामिक देशों की एकजुटता को देखकर इजरायल ने भी अपनी तैयारियां पूरी कर ली हैं। उसने अपने नागरिकों को बचाव सम्बन्धी सभी उपाय करने हेतु आगाह किया है। नागरिकों से कहा गया है कि वे अपने बम शेल्टरों को साफ रखें ताकि हमला होने की स्थिति में डेढ़ मिनटों में वे उनमें पहुंचकर खुद को सुरक्षित कर लें। उनसे पानी, खाद्य सामग्रियां, आवश्यक दवाओं का स्टॉक रखने को कहा गया है। साथ ही उन्हें बैटरियों वाले टॉर्च खरीदकर रखने को भी कहा गया। ईरान के कार्यवाहक विदेश मंत्री अली बाघेरी ने कहा है कि पिछले 10 महीनों से इजरायल द्वारा गजा पट्टी में जो नरसंहार किया गया है और विनाश फैलाया है उसके मद्देनजर उसे रोकना अब नितांत आवश्यक हो गया है। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर ऐसा न हुआ तो न सिर्फ पश्चिम एशिया बल्कि विश्व की शांति खतरे में पड़ जायेगी। फाउद शुकर की मौत से नाराज हिजबुल्लाह ने इजरायल पर कई मिसाइलें दागी थीं जिसे इजरायल ने हवा में ही नष्ट कर दिया था। इससे साफ है कि ईरान एवं समर्थक देशों में इजरायल के खिलाफ गुस्सा बढ़ता जा रहा है जिसे नजरंदाज नहीं किया जाना चाहिये। इस नाराजगी, लड़ाई की तैयारियों एवं दोनों पक्षों की लामबन्दी को देखते हुए शांति के अंतरराष्ट्रीय प्रयास किये जाने अब बेहद जरूरी हो गये हैं। समय रहते ऐसा न किया गया तो लड़ाई छिड़ जाने पर उसे बड़े विनाश एवं नरसंहार के पहले रोकना कठिन हो जायेगा। इजरायल की नाराजगी तुर्किये के प्रति भी देखने को मिली है जिसने हानिया की मौत पर अपना राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका दिया था। यह उसका ईरान के प्रति समर्थन का तरीका माना गया है। हानिया की मौत के लिये इजरायल की सीक्रेट सर्विस मोसाद को जिम्मेदार माना जा रहा है जिसने प्रमुख लोगों की सुरक्षा के लिये तैनात ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के दो एजेंटों को इस काम के लिये कथित तौर पर सुपारी दी थी। इस हत्या के कारण ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजिश्कियन की मुश्किलें बढ़ गई हैं। उन्हें अपने ही देशवासियों के सामने शर्मिंदगी हो रही है। हालांकि हानिया की मौत के लिये जिम्मेदार मानते हुए पजिश्कियन ने दो दर्जन से ज्यादा आईआरजीसी तथा सीक्रेट सर्विस के अधिकारियों को गिरफ्तार कराया है। हानिया की हत्या जिस गेस्ट हाऊस में हुई थी, उसके कई अधिकारियों की भी गिरफ्तारी कर पजिश्कियन बतलाना चाह रहे हैं कि हानिया की हत्या को उन्होंने गम्भीरता से लिया है। इस लिहाज से भी उनके लिये जरूरी है कि वह इजरायल पर बड़ा आक्रमण करें क्योंकि ईरान व उसकी जनता मान कर चल रही है कि फाउद व हानिया की हत्याओं के पीछे इजरायल का ही हाथ है। वैसे खुद इजरायल फाउद की हत्या की जिम्मेदारी तो लेता है लेकिन हानिया की मौत की जिम्मेदारी को लेकर न वह इंकार करता है और न ही उसने स्वीकारा है। हालांकि ईरान यदि यह आक्रमण करता है तो पजिश्कियन की समस्या ऐसे बढ़ेगी कि उन्होंने यह चुनाव इसी वादे पर जीता था कि वे पश्चिमी देशों के साथ ईरान के सम्बन्ध सुधारेंगे। साफ है कि इजरायल पर आक्रमण की घोषणा से वे ऐसा करने में नाकाम साबित हो गये हैं क्योंकि पश्चिमी देश इजरायल के साथ हैं। साफ है कि पहले की ही तरह अमेरिका, फ्रांस, ग्रेट ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया आदि इजरायल का साथ देंगे। हालांकि अमेरिका की भूमिका पर अलग–अलग तरह की बातें की जा रही हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने मेरीलैंड एयरबेस पर पत्रकारों को जानकारी दी कि श्उन्होंने इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेत्यनाहू से फोन पर कहा है कि उनके पास युद्ध विराम का मौका है और इस दिशा में उन्हें आगे बढ़ना चाहिये।श दूसरी तरफ यह भी कहा जाता है कि अमेरिका के सैन्य मुख्यालय में इस सम्भावित युद्ध को लेकर विचार चल रहा है। इस आशय की खबरों की पुष्टि नहीं हुई है कि अमेरिका इन दोनों देशों की लड़ाई होने पर इजरायल की मदद के लिये अपनी सेना भेजेगा। उसके समुद्री बेड़े भी भेजे जाने की बात चली थी। यह अवसर तकरीबन एक वर्ष पहले भी आया था लेकिन अमेरिकी प्रशासन इस निष्कर्ष पर पहुंचा था कि उसे अपने सैनिक उतारने की जरूरत नहीं है। वह अब क्या कदम उठाता है, यह देखना होगा। विश्व शांति के लिये इस लड़ाई को टाला जाना चाहिये।

# जाति सरकार पूछेगी: अपमानित करने वाले तो सदियों से पूछ रहे हैं!

**शकील अख्तर**

जाति क्यों नहीं पूछ सकते? शादी में जाति सम्मेलनों में बिल्कुल पूछ सकते हैं। वंशावली भी मांग सकते हैं। लेकिन बस में, ट्रेन में संसद में बिल्कुल नहीं पूछ सकते। सरकार अगर मानती है कि जाति के आधार पर अन्याय हुआ है तो वह जाति पूछ सकती है। यह मालूम करने के लिए किस–किस के साथ अन्याय हुआ है कब से हो रहा है और अब उसे क्या सुविधाएं देकर दूसरों के बराबर लाया जा सकता है? बिहार में ऐसा अभी पिछले साल ही किया गया। भाजपा सहित सभी दलों की मंजूरी के बाद। मगर उसी बिहार में व्यक्तिगत हैसियत से किसी से कह के देख लीजिए कि श्जिनकी जात का पता नहींच! आपको मालूम पड़ जाएगा कि इस गाली का क्या मतलब होता है! अनुराग ठाकुर वहां किसी दलित टोले, पासवान टोले, कुर्मी टोले, यादव टोले, मांझी केवट टोले कहीं भी किसी गांव में जरा कह के देखें जिसकी जात का पता नहीं! भाजपा के नेता, मीडिया, भक्त सब बड़ी मासूमियत से कह रहे हैं कि राहुल जब सबकी जाति मालूम करने की बात कर रहे हैं तो उनकी पूछने में क्या हर्ज है? बिल्कुल नहीं! एकदम कोई हर्ज नहीं! अभी संसद का सत्र चल रहा है। सोमवार को ही प्रधानमंत्री सदन में घोषणा कर दें। जाति गणना होगी। और सरकारी कर्मचारी को भेज दें राहुल के यहां। वे जाति गणना का फार्म भरेंगे। मांगी हुई जानकारी दें गे साथ ही जनगणना भी करवा लें। विवाहित, अविवाहित, परितक्यत, शिक्षा सब जानकारी देंगे। मगर आप गाली नहीं दे सकते। किसी को भी नहीं। जरा गांव में पूछिए जाकर। जिसकी जात का पता नहीं उसका मतलब क्या है? उसका मतलब है जिसकी कोई औकात नहीं! गांव में यह गाली की तरह इस्तेमाल होता है कि जिसकी जात का पता नहीं वह हमसे बात कर रहा है। मतलब हमसे बात करने का हक कुल गौत्र वाले को ही है। जात का पता नहीं बाप का पता नहीं यह कमजोर को दी जाने वाली देश की सबसे पुरानी और बड़ी गाली हैं। अपमानित करने के उद्देश्य से, श्रेष्ठता भाव से, अहंकार से दी जाती है। मगर जो पूरी तरह डि कास्ट (जातीय श्रेष्ठता बोध से मुक्त) हो चुका हो वह इसके जवाब में क्या कहता है? वह कहता है मुझे मालूम है जो भी इस देश में गरीब कमजोर दलित पिछड़े आदिवासी की बात करेगा उसे गालियां खाना पड़ेंगी। और मैं अपने कमजोर भाइयों के लिए खुशी से यह गालियां खाने को तैयार हूं। राहुल ने बहुत सही कहा। और यहां याद आ गया तो एक बात और बता दें। हम 2004 से जब राहुल पहला चुनाव लड़ने अमेठी गए थे तब से उन्हें लगातार कवर कर रहे हैं। उससे पहले भी कभी–कभी कुछ लिखा। जाने कितनी बार उनका नाम लिखा होगा। टीवी रेडियो पर बोला होगा। ज्यादातर राहुल ही। और हम ही नहीं दूसरे पत्रकार भी उन्हें राहुल लिखते हैं। आमने सामने संबोधित करने में भी राहुल ही। अभी खुद राहुल ने लोकसभा में बोलते हुए कहा कि जब वे कारपेन्टरों से मिल रहे थे तो विश्वकर्मा ने कहा राहुल! उनकी इस बात पर सत्ता पक्ष चिल्लाने लगा कि राहुल या राहुल जी। राहुल ने बेमन से कहा कि ठीक है राहुल जी। मगर इससे क्या समझ में आया कि बातचीत में आदमी अपने लिए किए संबोधन को उसी रूप में बताता है जैसा सुनना चाहता है। जैसे बहुत सारे लोग खुद ही अपने सरनेम के साथ जी लगाकर बोलते हैं कि उसने हमसे कहा फलाने जी। आफिसों में कुछ खुद के साथ सर लगाकर अपने साथ हुई बात को बताते हैं। मतलब राहुल को आमतौर पर न राहुल गांधी बोला जाता है और न राहुल अपने नाम के साथ लगाए जी को सुनते हैं। वे केवल राहुल हैं। चाहें तो मजाक में कह सकते थे दिनकर की पंक्तियां दोहराते हुए कि– पूछो मेरी जाति, शक्ति हो तो, मेरे भुजबल से, मेरे रोम रोम में अंकित है मेरा इतिहास! अर्थात मुझे जानना है, मुकाबला करना है तो जनता में आइये। रात–दिन मेरी आलोचना करके, चरित्रहनन करके, ट्रोल करके न मुझे जान सकते हो न मेरे गौरवशाली इतिहास को। झूठ का ऐसा परनाला बहा रखा है कि राहुल के परिवार पर ही सवाल उठा रखे हैं। और कम पढ़े–लिखे ठस बुद्धि के लोग ही नहीं, पढ़े–लिखे भी उन झूठे व्हट्स एप मैसेजों को आगे बढ़ाते रहते हैं। राहुल का धीरज और सहनशीलता कमाल की है। ऐसी ऐतिहासिक चरित्रों में ही दिखती है। राम के साथ क्या–क्या नहीं किया गया। मगर सिर्फ एक बार को छोड़कर वे कहीं क्रोध में नहीं दिखते। केवल तभी जब कहते हैं गए तीन दिन बीत। बोले राम सकोप तब...! रामधारी सिंह दिनकर जिन्होंने रश्मि रथी में कर्ण का इतिहास लिखा है। लेकिन सवाल पूछने वालों से यह भी कहा है कि– मूल जानना बड़ा कठिन है नदियों का वीरों का धनुष छोड़कर और गोत्र होता है क्या रणधीरों का? लोकतंत्र में उसी धनुष का मतलब कमजोर की आवाज उठाना हो जाता है। लेकिन दिनकर राहुल के ग्रेट ग्रैंड फादर जवाहर लाल नेहरू पर लिखकर इस परिवार पर हमेशा छाए रहे खतरे का इतिहास बता चुके हैं। गांधीजी की हत्या के बाद उन्होंने लिखा था– समर शेष है अभी मनुज भक्षी हुंकार रहे हैं गांधी का पी रुधिर जवाहर पर फुंकार रहे हैं। समर शेष है, अहंकार इनका हरना बाकी है। वही अहंकार बाकी है। जो पूरी निर्लज्जता से उस नेहरू के वंशज से कह रहा है जिसके पिता, दादी देश के लिए शहीद हो गए कि इनकी जात का पता नहीं। नहीं है! सही में नहीं है। किसी को नहीं है। नाम राहुल है। हिन्दू। जाति हिन्दुस्तानी। डिकास्ट हमने लिखा ना। बहुत मुश्किल काम है हमारे यहां। डिक्लास (अपनी आर्थिक स्थिति को भूलकर गरीबी समझने की कोशिश) होते हैं। कुछ हद तक। मगर डिकास्ट होने वाले तो गिनती के लोग होंगे। जो कथित ऊंची जाति में विश्वास नहीं करते और कथित छोटी जाति को हीन नहीं मानते। राहुल का उद्देश्य बड़ा है। इसलिए उसे असफल करने के लिए खुद प्रधानमंत्री मोदी ने अनुराग को शाबाशी दी। गाली को मजाक बताते हुए उनका वीडियो रिलीज किया और कहा कि सुनें। बिल्कुल सुनना चाहिए देश के उन सब लोगों को सुनना चाहिए जिनसे सदियों से जात पूछी गई। यहां तक कि छोटी–मोटी चोरी के मामले में भी जाति घुसा दी गई। जिनकी जात पता नहीं उनके लिए ही तो कहा जाता है चोरी ... च...री! राहुल इसी के खिलाफ लड़ रहे हैं और उनकी इस बड़ी लड़ाई से ध्यान हटाने के लिए ही उन पर ही हमला किया जा रहा है। अभी हमले और बढ़ाए जाएंगे। मगर एक बात वह नहीं समझ रहे कि जो आदमी बीस साल के लगातार हमलों के बाद भी आज डटा हुआ हो क्या वह अपने ऊपर होने वाले किसी हमले के डर से चुप बैठ जाएगा। वह कोई आडवानी, उमा भारती, तोगड़िया, मुरली मनोहर जोशी, विनय कटियार हैं कि डराओगे तो डर जाएगा। यही तो समस्या है कि नेहरू–गांधी परिवार का वंशज डरता नहीं है। वह जनता के लिए गालियां खाने से लेकर अपनी एसपीजी की सुरक्षा छीन लेने, संसद सदस्यता खतम कर देने, मकान से निकाल दिए जाने, बीसीयों झूठे मुकदमे चलाए जाने, ईडी के छापों– किसी से नहीं डरता। और वह क्या मोतीलाल नेहरू से लेकर आज तक कोई नहीं डरा। और इसका तो नारा ही है–डरो मत!

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

# आरक्षण में उप–कोटा की अनुमति देने वाले फैसले में छिपा संभावित राजनीतिक मोड़

**डॉ. ज्ञान पाठक**

भारत के सर्वोच्च न्यायालय की 7–न्यायाधीशों की संविधान पीठ द्वारा अनुसूचित जातियों (एससी) के लिए समग्र कोटे के भीतर उप–कोटा की अनुमति देने वाले फैसले में भारतीय राजनीति को एक नयी दिशा में मोड़ने की क्षमता है, क्योंकि यह देश के लिए एक नयी संरचित (स्ट्रक्चर्ड) आरक्षण नीति का मार्ग प्रशस्त करता है, न केवल एससी के लिए, बल्कि अनुसूचित जनजातियों (एसटी), अन्य पिछड़ी जातियों (ओबीसी) और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (ईडब्ल्यूएस) के लिए भी। भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति बी आर गवई, विक्रम नाथ, बेला त्रिवेदी, पंकज मिथल, मनोज मिश्रा और सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने 6रू1 के बहुमत से माना कि राज्य सेवाओं में नियुक्तियों में कुछ अनुसूचित जातियों का श्अपर्याप्त प्रतिनिधित्वश अनुसूचित जाति के भीतर श्पिछड़ापनश साबित करने का एक प्रमुख संकेतक है। एससी के भीतर एक विशिष्ट उप–वर्गीकृत समूह के लिए आरक्षण देने के लिए राज्यों को एससी के भीतर सापेक्ष पिछड़ापन साबित करना आवश्यक है। छह न्यायाधीशों ने उप–वर्गीकरण को बरकरार रखा, जिसमें न्यायमूर्ति त्रिवेदी ने असहमति जताई, जो इस मुद्दे की जटिलता का संकेत है जो फैसले को लागू करते समय कई ज्ञात और अज्ञात कारकों को सामने ला सकता है। फैसला तब आया है जब अदालत ने दो प्रमुख मुद्दों की जांच की, पहला–क्या इन्दर साहनी मुकदमे में दिये गये फैसले के तहत राज्य के लिए सापेक्ष पिछड़ापन साबित करना जरूरी नहीं है, और दूसरा,क्या अनुसूचित जातियों के साथ पिछड़े वर्गों के प्रतिनिधित्व की अपर्याप्तता को साबित करना आवश्यक है? इस फैसले का आम तौर पर स्वागत किया गया है क्योंकि यह एक सर्वविदित तथ्य है कि एसटी, एससी या ओबीसी के एक बड़े समूह में कुछ जातियां हैं जो अन्य की तुलना में अधिक पिछड़ी हैं। हम पहले से ही क्रीमीलेयर मुद्दे से परिचित हैं, यह एक ऐसा शब्द है जो आरक्षण का आनंद लेने वाले समूहों के अपेक्षाकृत समृद्ध और बेहतर शिक्षित सदस्यों को संदर्भित करता है। हालांकि, क्रीमीलेयर की अवधारणा वर्तमान में ओबीसी के लिए लागू है, जिन्हें सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण के लाभ से बाहर रखा गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आरक्षण का लाभ ओबीसी के वास्तव में वंचित वर्गों को मिले। 8 लाख रुपये से अधिक वार्षिक आय वाले परिवारों को क्रीमीलेयर का हिस्सा माना जाता है। इस आय सीमा को समय–समय पर संशोधित किया जाता है। ग्रुप ए और ग्रुप बी सेवाओं में उच्च रैंकिंग वाले अधिकारियों के बच्चों को भी श्क्रीमीलेयरश उम्मीदवार माना जाता है और इसलिए उन्हें आरक्षण से बाहर रखा जाता है। इसके अतिरिक्त, डॉक्टर, इंजीनियर और वकील जैसे पेशेवरों के बच्चे जिनकी आय और स्थिति अच्छी है, तथा जिनके परिवार निश्चित सीमा से अधिक कृषि भूमि के मालिक हैं, उन्हें भी क्रीमीलेयर में शामिल किया गया है और बाहर रखा गया है। वर्तमान संविधान पीठ के 7 में से 4 न्यायाधीशों ने मौजूदा फैसले में एससी और एसटी के बीच श्क्रीमीलेयरश को बाहर रखने की वकालत की। इसका मतलब है कि फैसले का असर वर्तमान में आरक्षण का लाभ उठा रहे सभी समूहों पर पड़ेगा। इस फैसले ने समूह में अन्य जातियों की तुलना में श्अधिक पिछड़ेपनश के आधार पर वर्गीकृत एससी, एसटी और ओबीसी के भीतर उप–वर्गीकरण का द्वार खोल दिया है। सरकार को उप–वर्गीकरण के लिए केवल श्अपर्याप्त प्रतिनिधित्वश के आधार पर इसे साबित करना होगा। यह स्पष्ट किया गया कि राज्य को यह साबित करने के लिए वैसे आंकड़ों की आवश्यकता नहीं है कि पूरा वर्ग पिछड़ा है, लेकिन अगर वह उप–वर्गीकरण करना चाहता है तो उसे वर्ग के भीतर पिछड़ेपन में अंतर दिखाने के लिए आवश्यक आंकड़ा एकत्र करना होगा। एक अतिरिक्त स्पष्टीकरण यह है कि प्रतिनिधित्व का आकलन करने के लिए कैडर को एक इकाई के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है, क्योंकि यह जमीनी हकीकत को प्रदर्शित नहीं कर सकता है। इसलिए पिछड़े वर्गों के गुणवत्तापूर्ण प्रतिनिधित्व को सुनिश्चित करने के लिए मात्रात्मक आंकड़े के बजाय प्रभावी या गुणात्मक आंकड़े पर पर्याप्त प्रतिनिधित्व आधारित होना चाहिए। इसलिए यह स्पष्ट है कि एससी, एसटी और ओबीसी के लिए मुख्य–कोटे के तहत उप–कोटा प्रदान करने के लिए उप–वर्गीकरण एक पेचीदा मुद्दा होने जा रहा है जो देश में उच्च सामाजिक और राजनीतिक गर्मी पैदा करेगा, क्योंकि वर्तमान में आरक्षण का लाभ उठा रही जातियां अपने बीच की अन्य पिछड़ी जातियों के पक्ष में इसे छोड़ने के लिए आसानी से तैयार नहीं होंगी। अधिक पिछड़ी जातियां पहले से ही मांग कर रही हैं कि उन्हें उनके पिछड़ेपन के आधार पर आरक्षण दिया जाना चाहिए, क्योंकि कुछ समुदायों ने पहले ही आरक्षण के सभी लाभों को प्राप्त कर लिया है। एसटी, एससी और ओबीसी में अपेक्षाकृत समृद्ध जातियों के बच्चे सभी आरक्षित सीटों पर कब्जा कर लेते हैं, जबकि कम पिछड़ी जातियों के बच्चे पिछड़ जाते हैं क्योंकि उन्हें उनसे प्रतिस्पर्धा करने के लिए आवश्यक प्रतिभा दिखाने के लिए शैक्षिक और अन्य आर्थिक अवसर नहीं मिलते हैं। सर्वोच्च न्यायालय के फैसले ने सबसे वंचित जातियों के लिए एक नयी उम्मीद जगाई है, जो सामाजिक, कानूनी और राजनीतिक रूप से अपना दावा पेश करेंगे। इस प्रकार, यह निर्णय देश में सामाजिक न्याय की एक अलग तरह की राजनीति को जन्म देगा, जिसका असर उन राजनीतिक दलों पर पड़ेगा जो 1980 के दशक के उत्तरार्ध से सामाजिक न्याय के लिए लड़ रहे हैं। ऐसे राजनीतिक दलों को कुछ जातियों के बीच अपने समर्थन आधार के संबंध में अपने रुख को फिर से निर्धारित करने की आवश्यकता होगी, क्योंकि उन पर अन्य कम पिछड़ी जातियों की उपेक्षा करने का आरोप लगाया गया है। इस पृष्ठभूमि में जाति जनगणना की मांग और भी मजबूत होगी, और राजनीतिक मोड़ की दिशा इस बात पर निर्भर करेगी कि इंडिया ब्लॉक की पार्टियां इस मुद्दे पर कैसे और कैसी प्रतिक्रिया देती हैं। जहां तक भाजपा का सवाल है, वह एससी, एसटी और ओबीसी के बीच हाशिए पर पड़ी जातियों और प्रमुख जातियों के बीच संभावित दरार से लाभ उठाना चाहेगी। आरएसएस–भाजपा कुनबा उप–कोटा के लिए नयी आकांक्षी जातियों के बीच जमीन हासिल करने की कोशिश करेगा, यह बताकर कि उनके सामाजिक न्याय नेताओं और दलों ने उन्हें कैसे धोखा दिया है। दूसरी ओर, एनडीए के सहयोगी, जैसे कि जेडी(यू) और टीडीपी, भाजपा की तुलना में अपने सामाजिक न्याय कार्ड को तुलनात्मक रूप से बेहतर तरीके से खेलेंगे। मोदी के नेतृत्व वाली सरकार, देश में संरचित कोटा व्यवस्था के लिए एक विधेयक पेश करके राजनीतिक लाभ प्राप्त करने का प्रयास कर सकती है, ताकि वंचित जातियों के बीच अपनी खोई हुई जमीन को फिर से हासिल कर सके, विशेषकर उनमें जो अब तक आरक्षण प्राप्त प्रमुख दबंग जातियों से पीछे हैं क्योंकि सामाजिक न्याय की राजनीति का प्रतिनिधित्व करने वाले नेता दबंगों को ही लाभ दिलाते रहे हैं। भाजपा राष्ट्रीय स्तर पर ऐसा कानून न लाने के लिए,जिसके तरह अपेक्षाकृत पिछड़ों में भी पिछड़ों को आरक्षण मिल सके, पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार की आलोचना करना चाहेगी। भारत को आने वाले महीनों में एक नये सामाजिक–राजनीतिक मोड़ की उम्मीद करनी चाहिए। राजनीतिक दलों को सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के बाद अपने–अपने निर्वाचन क्षेत्रों को नयी रोशनी में संबोधित करने की आवश्यकता होगी, जिससे जमीनी स्तर पर भी एक नया सामाजिक–राजनीतिक गठबंधन शुरू हो सकता है।

# 15 साल की उम्र से झेली मुश्किलें, तकलीफ को याद कर सिहर उठीं एक्ट्रेस

जब शेफाली जरीवाला 22 साल पहले एक ही आइटम सॉन्ग करके हर तरफ छा गई थीं। 19 साल की उम्र में शेफाली ने सुपरहिट म्यूजिक वीडियो 'कांटा लगा' से हर तरफ पहचान बना ली थी और रातों–रात नेशनल सेंसेशन बन गई थीं। लेकिन, इस गाने की जबरदस्त सफलता के बाद भी वह सालों के लिए पर्दे से गायब हो गईं। फेम कमाने के बाद शेफाली के माता–पिता ने उन्हें अपनी पढ़ाई पूरी करने को कहा, ऐसे में एक्ट्रेस ने भी एक्टिंग से दूरी बना ली। फिर सालों बाद शेफाली जरीवाला बिग बॉस सीजन 13 में बतौर कंटेस्टेंट बनकर पहुंचीं और फिर सुर्खियों में आ गईं। अब शेफाली जरीवाला हाल ही में पारस छाबड़ा के पॉडकास्ट में नजर आईं, जो बिग बॉस 13 में उनके को–कंटेस्टेंट और दोस्त थे। शो में शेफाली ने अपनी पर्सनल लाइफ पर खुलकर बात की और इस दौरान उन्होंने अपना वो दर्द भी बांटा जो उन्हें पहली बार 15 साल की उम्र में झेलना पड़ा था। शेफाली जरीवाला ने यहां अपने सुपर सक्सेसफुल आइटम सॉन्ग के बारे में भी बात की। कांटा लगा सॉन्ग को लेकर बात करते हुए शेफाली ने कहा– 'किसी भी आर्टिस्ट को पहचान बनाने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। मुझे कांटा लगा से पहचान मिली, ये मेरा पहला प्रोजेक्ट था और जबरदस्त हिट था। मैं चाहती हूं कि आज भी लोग मुझे मेरे उस गाने के लिए याद रखें। जब कांटा लगा किया था, तब मेरी फैमिली फाइनेंशियल क्राइसिस से गुजर रही थी। मेरे पापा ने अपना सारा पैसा खो दिया था और मां बैंक में काम कर रही थीं। मेरी बहन तब अपनी कॉलेज की पढ़ाई कर रही थी और उसकी फीस बहुत ज्यादा थी। बहन की फीस के लिए मां ने अपनी चूड़ियां तक गिरवी रख दी थीं। तब मैंने तय कर लिया था कि अपनी मां को इतनी चूड़ियां दिलाऊंगी कि वो डिसाइड भी नहीं कर पाएंगी कि कौन सी पहनें।' इसी दौरान शेफाली ने बताया कि उन्हें मिर्गी के दौरे पड़ते थे। एक्ट्रेस कहती हैं– 'मिर्गी एक न्यूरोलॉजिकल समस्या है। ये जेनेटिक भी हो सकता है। इसके लक्षण होते हैं दौरे। ये ज्यादा स्ट्रेस की वजह से होता है, जब आपका दिमाग स्ट्रेस हैंडल नहीं कर पाता है तब ऐसा होता है। मैं जब 15 साल की थी, तब मुझे पहली बार दौरा पड़ा था। मुझे एग्जाम के चलते ओवरस्ट्रेस हो गया था। आज के समय में अच्छे डॉक्टर और दवाईयां हैं। 20 साल से मुझे दौरे नहीं पड़े हैं और मुझे अब दवाइयां लेने की भी जरूरत नहीं पड़ती है। लाइफस्टाइल में चेंजेस करके आप इसे मैनेज कर सकते हैं। अच्छा खाना, वर्कआउट, मेंटल वर्क जरूरी है।' शेफाली ने इसके बारे में बात करते हुए आगे कहा– 'जब आपको दौरे पड़ते हैं आप अपनी जीभ भी काट सकते हो।

> "कांटा लगा सॉन्ग को लेकर बात करते हुए शेफाली ने कहा- 'किसी भी आर्टिस्ट को पहचान बनाने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। मुझे कांटा लगा से पहचान मिली, ये मेरा पहला प्रोजेक्ट था और जबरदस्त हिट था। मैं चाहती हूं कि आज भी लोग मुझे मेरे उस गाने के लिए याद रखें। जब कांटा लगा किया था, तब मेरी फैमिली फाइनेंशियल क्राइसिस से गुजर रही थी।

जब मुझे दौरा पड़ा था, मैं बालकनी में खड़ी थी। मैं गिर सकती थी, मर सकती थी। आपको पता भी नहीं होता कि ये आपके साथ कब हो सकता है। आपको कब दौरा पड़ सकता है।' इसके अलावा शेफाली ने अपनी फैमिली प्लानिंग पर भी बात की और बताया कि वह एक बेटी गोद लेना चाहती हैं। शेफाली ने कहा–'बच्चा गोद लेने की प्रोसेस बहुत लंबी होती है। फैमिली को समझना पड़ता है और कानूनी प्रोसेस के चलते इसमें समय लग रहा है। हमने पूरी कोशिश कर ली है। हम इंतजार कर रहे हैं कि कब हमारे घर बेटी आएगी।'

# एक्टर अल्लू अर्जुन ने वायनाड भूस्खलन पीड़ितों के लिए की 25 लाख रुपये देने की घोषणा

तेलुगु सुपरस्टार अल्लू अर्जुन ने वायनाड में हुए भूस्खलन के पीड़ितों की मदद के लिए केरल सीएम रिलीफ फंड में 25 लाख रुपये दान करने का फैसला लिया है। रविवार को अभिनेता ने अपने इंस्टाग्राम पर एक भावुक नोट शेयर किया। अल्लू अर्जुन ने लिखा कि मैं वायनाड में हाल ही में हुए भूस्खलन से बहुत दुखी हूं। केरल ने मुझे हमेशा बहुत प्यार दिया है और मैं पुनर्वास कार्य का समर्थन करने के लिए केरल सीएम रिलीफ फंड में 25 लाख रुपये दान करके अपना योगदान देना चाहता हूं। आपकी सुरक्षा और शक्ति के लिए प्रार्थना कर रहा हूं। कैप्शन में अभिनेता ने कहा कि केरल के लोगों की सुरक्षा और शक्ति के लिए प्रार्थना कर रहा हूं। 30 जुलाई की सुबह केरल के वायनाड जिले के पुंजरी माटोम, मुंडक्कई, चूरलमाला, अट्टामाला, मेप्पाडी और कुनहोम गांवों में कई भूस्खलन हुए। इन भूस्खलनों के परिणामस्वरूप भारी जनहानि हुई। भारी बारिश के कारण पहाड़ी के ढहने से कीचड़, पानी और पत्थरों का बहाव इलाके में फैल गया। बता दें कि अब तक वायनाड में 361 लोगों की मौत, 273 से ज्यादा लोगों के घायल होने और 206 लोगों के लापता होने के साथ, यह भूस्खलन केरल के इतिहास की सबसे घातक प्राकृतिक आपदाओं में से एक बन गई है। भूस्खलन में 80,000 वर्ग मीटर से ज्यादा जमीन खिसक गई और मलबा इरुवंजिपुझा नदी के किनारे लगभग 8 किलोमीटर तक बह गया। इस बीच, अल्लू अर्जुन अपनी आगामी संभावित बॉक्स–ऑफिस फिल्म 'पुष्पा 2 द रूल' के लिए कमर कस रहे हैं। यह फिल्म 15 अगस्त को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब 6 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

# अदिति राव हैदरी ने मंगेतर सिद्धार्थ को चिट्ठा के 7 अवॉर्ड जीतने पर दी बधाई, पोस्ट शेयर कर लुटाया प्यार

बॉलीवुड से लेकर साउथ तक अपनी एक्टिंग का जलवा दिखा चुके अदिति राव हैदरी और उनके मंगेतर सिद्धार्थ बहुत जल्दी शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। दोनों फिल्म इंडस्ट्री के सबसे पॉपुलर कपल में से एक हैं। एक्ट्रेस अदिति राव हैदरी ने इस साल मार्च में अपने लॉन्ग टर्म बॉयफ्रेंड सिद्धार्थ से सगाई की थी, जिसके बाद से ही कपल चर्चा में बने हुए हैं। इन सब के बीच अब एक्ट्रेस ने अपने मंगेतर सिद्धार्थ की जीत का जश्न मनाते हुए एक पोस्ट शेयर किया है जो तेजी से वायरल हो रहा है। बॉलीवुड से लेकर साउथ तक अपनी एक्टिंग का जलवा दिखा चुके अदिति राव हैदरी और उनके मंगेतर सिद्धार्थ बहुत जल्दी शादी के बंधन में बंधने वाले हैं एक्ट्रेस अदिति राव ने इस साल मार्च में अपने लॉन्ग टर्म बॉयफ्रेंड सिद्धार्थ से सगाई की एक्टर सिद्धार्थ और उनकी 2023 की तमिल फिल्म 'चिट्ठा' ने हाल ही में आयोजित फिल्मफेयर अवॉर्ड साउथ में बड़ी जीत हासिल कर अपनी लाइफ पार्टनर का दिल जीत लिया है। घ्छउनकी मंगेतर अभिनेत्री अदिति राव हैदरी ने इंस्टाग्राम पर उनकी अवॉर्ड के साथ लेटे हुए एक तस्वीर शेयर करते हुए बहुत ही प्यारा सा नोट भी लिखा है। इस पोस्ट के साथ लंबा–चौड़ा नोट लिखा अपनी खुशी सभी के साथ शेयर की है। अपने मंगेतर की जीत का जश्न एक्ट्रेस न बहुत ही स्पेशल तरीके से मनाया है। अदिति राव हैदरी ने सिद्धार्थ की तस्वीर शेयर करते हुए बताया कि, सिद्धार्थ की मूवी चिट्ठा ने 7 फिल्मफेयर अवॉर्ड जीते हैं और सिद्धार्थ को भी बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड भी मिला। फोटो को कैप्शन देते हुए लिखा, '2=7, चिट्ठा फिल्मफेयर 2024, टीम को बधाई। जब कलाकारी को सम्मानित किया जाता है, जब अच्छे लोग जीतते हैं, जब सिनेमा जीतता है तो हम सभी जीतते हैं! सपने देखते रहो, अच्छा काम करते रहो अपनी खुद की सिनेमा पैराडाइसो के लिए।' इन खास नोट को शेयर करते हुए उन्होंने इसे प्राउड मोमेंट बताया है। बता दें कि अदिति राव हैदरी और तेलुगु अभिनेता सिद्धार्थ की पहली मुलाकात 2021 में फिल्म 'महा समुद्रम' के सेट पर हुई थी। एस यू अरुण कुमार द्वारा निर्देशित और सिद्धार्थ अभिनीत फिल्म 'चिट्ठा' ने सर्वश्रेष्ठ फिल्म, सर्वश्रेष्ठ निर्देशक, सर्वश्रेष्ठ अभिनेता, सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री, सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री, सर्वश्रेष्ठ संगीत एल्बम और सर्वश्रेष्ठ गायिका का पुरस्कार जीता।

# साथ मिलकर किया काम, फैंस के लिए लेकर आ रहे हैं 'ओल्ड मनी' गाना, जानें कब होगा रिलीज

सलमान खान ने मंगलवार की सुबह अपने प्रशंसकों को गायक एपी ढिल्लों के साथ अपने आगामी सहयोग का एक टीज़र दिखाया। सुपरस्टार द्वारा साझा की गई पोस्ट के अनुसार, इस गाने का शीर्षक 'ओल्ड मनी' है और इसे 9 अगस्त को रिलीज़ किया जाएगा। सलमान ने कैप्शन में लिखा, श्श्ओल्ड मनी 9 अगस्त को रिलीज़ होगी /चकीपससवद।श्श गाने के टीज़र में एपी ढिल्लों और उनके दोस्त को हाथ में बंदूक लेकर बाहर जाते हुए दिखाया गया है और बाहर निकलते समय वे सलमान खान को कार के हुड के नीचे कुछ करते हुए देखते हैं। टीज़र में सलमान एपी और उनके दोस्त से पूछते हैं कि वे कहाँ जा रहे हैं। जवाब में, एपी कहते हैं कि वे आधे घंटे में वापस आ जाएँगे। सख्त नज़र से देखते हुए, सलमान कहते हैं कि मामले को खुद ही संभाल लें और सुनिश्चित करें कि उन्हें फिर से उन्हें कॉल करने की ज़रूरत न पड़े।

सलमान के अन्य प्रोजेक्ट्स

अभिनेता को आखिरी बार टाइगर 3 में कैटरीना कैफ़ और इमरान हाशमी के साथ देखा गया था। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बहुत सफल रही और 2023 में सबसे ज़्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में शामिल हो गई। इस साल की शुरुआत में, उन्होंने अपनी अगली बड़ी परियोजना की घोषणा की, जिसमें वह मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म का निर्माण उनके दोस्त और निर्माता साजिद नाडियावाला ने किया है और इसका निर्देशन प्रतिष्ठित एआर मुरुगादॉस ने किया है। यह फिल्म अगले साल ईद पर बड़े पर्दे पर आने वाली है। सलमान नियमित रूप से फिल्म के सेट से अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर करते रहते हैं।

# पोस्टपार्टम डिप्रेशन का शिकार हुई ये एक्ट्रेस, जानें किस तरह करें बचाव

अक्टूबर 2023 में 'द कपिल शर्मा शो' और 'बिग बॉस' फेम एक्ट्रेस रोशेल राव ने अपनी पहली बेटी को जन्म दिया। मां बनने के बाद, रोशेल ने पोस्टपार्टम डिप्रेशन का सामना किया, जिसे लेकर उन्होंने एक्ट्रेस रुबीना दिलैक के पॉडकास्ट में अपनी जर्नी साझा की।

मां बनने के बाद बहुत देखे उतार–चढ़ाव

रोशेल ने बताया कि उनकी मां ने उन्हें मां बनने के बाद कुछ दिनों के लिए मानसिक उतार–चढ़ाव का अनुभव हो सकता है, लेकिन उन्हें पोस्टपार्टम डिप्रेशन के बारे में जानकारी नहीं थी। उन्होंने कहा कि यह एक प्रकार का केमिकल रिएक्शन है जो महिलाओं के दिमाग में होता है, और इसमें न तो उनकी गलती होती है और न ही उनके परिवार की।

छोटी–छोटी बातों पर आने लगा गुस्सा

रोशेल ने आगे कहा कि इस स्थिति में छोटी–छोटी बातों पर गुस्सा आ सकता है और जब बेबी रोता है, तो मां खुद को असफल महसूस करती है और रोने लगती है।

हर मां को भिन्न–भिन्न समय तक महसूस हो सकती है ये समस्या

रुबीना दिलैक ने इस बात की पुष्टि की कि पोस्टपार्टम डिप्रेशन एक वास्तविक समस्या है, जिसे कई महिलाओं को अनुभव करना पड़ता है। रोशेल ने भी सहमति जताते हुए कहा कि यह स्थिति हर मां को भिन्न–भिन्न समय तक महसूस हो सकती है, कुछ हफ्तों से लेकर दो साल तक।

इस तरह करें पोस्टपार्टम डिप्रेशन से बचाव

स्वास्थ्य सेवा पेशेवर से परामर्श करें

अगर आपको लगता है कि आप पोस्टपार्टम डिप्रेशन का सामना कर रही हैं, तो सबसे पहले एक डॉक्टर या मानसिक स्वास्थ्य पेशेवर से मिलें। वे आपकी स्थिति का मूल्यांकन कर सकते हैं और उचित उपचार की सलाह दे सकते हैं।

सपोर्ट सिस्टम बनाएं

अपने परिवार और दोस्तों से सहायता प्राप्त करें। किसी को अपने विचार और भावनाएं साझा करना आपकी स्थिति को हल्का कर सकता है।

स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं

सही आहार, नियमित व्यायाम और पर्याप्त नींद आपके मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं।

स्वयं की देखभाल करें

खुद को समय दें और अपनी पसंद की चीजें करें, जैसे कि किताब पढ़ना, संगीत सुनना या ध्यान लगाना।

समय–समय पर आराम ले

बच्चे की देखभाल के दौरान खुद को थोड़ी देर के लिए आराम दें।

प्रोफेशनल थेरपी

काउंसलिंग या थेरपी भी सहायक हो सकती है। एक प्रशिक्षित थेरपिस्ट आपकी भावनात्मक समस्याओं को सुलझाने में मदद कर सकता है।

## सावन में प्याज–लहसुन का नहीं करते सेवन तो लौकी से बनाएं ये 4 डिशेज, यहां देखें रेसिपी

सावन के पावन महीने में लोग सोमवार का व्रत करते हैं। वहीं सावन में खाने–पीने का खास ख्याल रखा जाता है। क्योंकि बहुत सारे लोग इस महीने लहसुन–प्याज का सेवन नहीं करते हैं। ऐसे में सिर्फ गिनी–चुनी सब्जियां रह जाती हैं, जिनमें लहसुन और प्याज नहीं पड़ता है। ऐसी ही एक सब्जी लौकी भी है। लौकी को प्याज–लहसुन आदि मसालों के साथ बनाया जाता है। अगर आप भी सावन में लौकी की सब्जी बना रहे हैं, तो बता दें आप इसमें बिना प्याज–लहसुन डालें इसको स्वादिष्ट बना सकते हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको लौकी की 4 ऐसी डिशेज के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनमें प्याज–लहसुन आदि की जरूरत नहीं होती है।

लौकी का कीमा सामग्री

लौकी– 1
हरा मटर– 1 कप
टमाटर, प्यूरी किए हुए– 2
अदरक का पेस्ट– 1 छोटा चम्मच
जीरा– 1 छोटा चम्मच
धनिया पाउडर– 1 चम्मच
जीरा पाउडर– 1/2 चम्मच
गरम मसाला– 1/2 चम्मच
तेल– 1 बड़ा चम्मच
स्वादानुसार नमक
गार्निश करने के लिए हरा धनिया

ऐसे बनाएं लौकी का कीमा

लौकी को छीलकर धोकर उसको सुखा लें। फिर कद्दूकस करके एक प्लेट में रख दें। इसके बाद पैन में तेल गर्म कर उसमें जीरा डाल दें। जब जीरा भुन जाए, तो उसमें अदरक का पेस्ट डालकर भूनें। फिर इसमें टमाटर की फ्रेश प्यूरी डालकर इसे अच्छे से पकाएं। अब जीरा पाउडर, धनिया पाउडर और गरम मसाला डालकर अच्छे से भूनें। जब मसाला तेल छोड़ने लगे तो उसमें हरी मटर और कद्दूकस की हुई लौकी डालें। इस सभी चीजों को अच्छे से मिक्स कर दें और फिर मीडियम आंच पर पकने दें। लौकी पक जाने के बाद गैस बंद करें और हरा धनिया डालकर गार्निश करें।

लौकी के पराठे की सामग्री

राजगिरा आटा– 1 कप
लौकी– 1 कप कद्दूकस की हुई
जीरा– 1/2 छोटा चम्मच
अजवाइन– 1/2 छोटा चम्मच
हरी मिर्च– 1 बारीक कटी हुई
हरा धनिया– 1 बड़ा चम्मच
स्वादानुसार नमक
आवश्यकतानुसार घी

ऐसे बनाएं लौकी का पराठा

लौकी का पराठा बनाने के लिए एक बाउल में आटा छान लें। अब उसमें जीरा, अजवाइन, थोड़ा–सा घी, हरी मिर्च, धनिया,नमक और कद्दूकस की हुई लौकी डालकर गूंथ लें। इसको गूंथने के लिए पानी की जरूरत नहीं होती है। आटे को गूंथकर 10 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। फिर आटे की अच्छे से लोइयां बना लें और इसको गोल या फिर ट्रायएंगल आकार में बेल लें। अब गैस पर तवा चढ़ा लें और घी लगाकर इसको पराठे की तरह दोनों तरफ से सेंक लें। इस तरह से लौकी का पराठा बनकर तैयार हो जाएगा।

लौकी पीनट करी की सामग्री

लौकी– 1
कच्ची मूंगफली– 1 कप
हरी मिर्च– 1
लाल मिर्च पाउडर– 1/4 छोटा चम्मच
करी पत्ता– 4–5
उड़द दाल– 1 छोटा चम्मच
जीरा– 1 छोटा चम्मच
हल्दी पाउडर– 1/2 छोटा चम्मच
धनिया पाउडर– 1/2 छोटा चम्मच
तेल– 1 बड़ा चम्मच
पानी आवश्यकतानुसार

ऐसे बनाएं लौकी पीनट करी

सबसे पहले लौकी की छीलकर धो लें और फिर छोटे–छोटे आकार में काट लें। अब पैन में कच्ची मूंगफली डालकर इनको रोस्ट कर लें। जब मूंगफली ठंडी हो जाएं, तो इनको पीसकर पाउडर बना लें। फिर पैन में तेल डालकर उसमे जीरा डाल लें और इसके बाद उड़द दाल डालकर भूनें। अब पैन में करी पत्ता डालकर भूनें, जब यह भुन जाए तो लौकी डालकर धीमी आंच पर पकाएं। इसके बाद इसको 3–4 मिनट के लिए ढककर पकने दें। पैन में मसाले डालकर भूनें और फिर थोड़ा पानी डालकर 5 मिनट तक पकने दें। अब धीमी आंच पर पकने के लिए रख दें। इस तरह से लौकी पीनट करी बनकर तैयार हो जाएगी।

लौकी–दाल की सब्जी

लौकी– 1
क्रीम– 1 कप
जीरा– 1/2 छोटा चम्मच
घी– 1 बड़ा चम्मच
हरी मिर्च– 1
पंचमेल दाल– 1 कप
टमाटर– 1 छोटा
गरम मसाला– 1/4 छोटा चम्मच
स्वादानुसार नमक
हरा धनिया

ऐसे बनाएं

सबसे पहले लौकी को छीलकर उसे टुकड़ों में काट लें। फिर दाल को भी अच्छे से धोकर साफ कर लें। अब कुकर में कटी हुई लौकी और दाल डालें और आवश्यकतानुसार पानी डालकर पकाने के लिए रख दें। बता दें कि 2–3 सीटी में दाल पक जाएगी। इसके बाद एक कड़ाही में घी गर्म होने दें और फिर जीरा डाल दें। अब बारीक कटा हरा मिर्च और टमाटर डालकर पकाएं। जब टमाटर नर्म हो जाए, तो उसमें नमक और गरम मसाला डालकर भूनें। फिर जब मसाला तेल छोड़ने लगे तब उसमें पकी हुई लौकी और दाल डालकर पकने दें। जरूरतनुसार पानी डालकर पकाएं। जब दाल और लौकी गाढ़ी हो जाए, तब उसमें क्रीम डालें और फिर गैस बंद पर हरी धनिया से गार्निश करें।

# रोजाना करें ये 6 योगासन, नहीं लगेगी कोई बीमारी

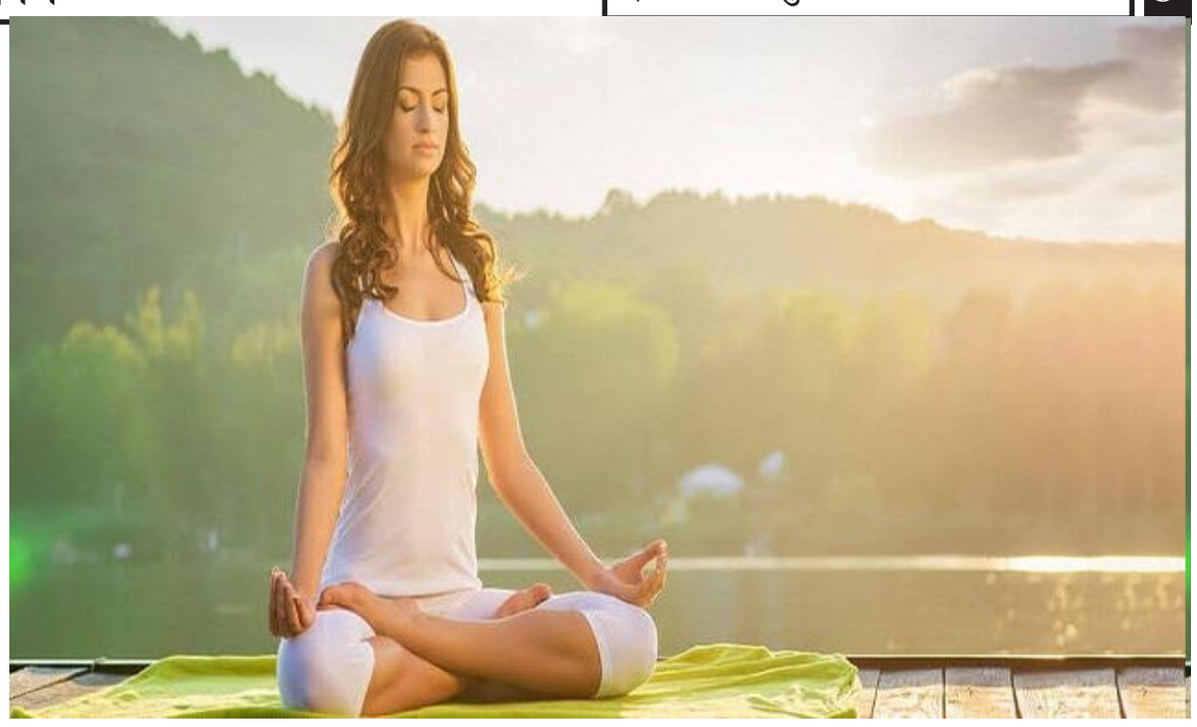

योग आपके शरीर और मन दोनों के लिए लाभकारी हो सकता है। यदि आप रोजाना इन 6 योगासनों को अपनी दिनचर्या में शामिल करते हैं, तो आपको कई स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं और बीमारियों से दूर रह सकते हैं। यहाँ कुछ महत्वपूर्ण योगासन हैं जिन्हें आप अपनी दिनचर्या में शामिल कर सकते हैं–

ताड़ासन

विधिरू सीधे खड़े हो जाएँ, पैर एक साथ रखें, हाथों को शरीर के किनारे रखें, और गहरी साँस लें। हाथों को सिर के ऊपर उठाएँ और शरीर को धीरे–धीरे ऊपर की ओर खींचें।

लाभः यह आसन शरीर की मुद्रा को सुधारता है और संतुलन बनाए रखने में मदद करता है।

भुजंगासन

विधिः पेट के बल लेट जाएँ, हाथों को कंधों के नीचे रखें, और धीरे–धीरे ऊपरी शरीर को ऊपर उठाएँ।

लाभः यह आसन रीढ़ की हड्डी को मजबूत करता है और पेट की मांसपेशियों को टोन करता है।

वृक्षासन

विधिः एक पैर पर खड़े हों और दूसरे पैर को थाई पर रखें। हाथों को शरीर के ऊपर जोड़े।

लाभः यह आसन संतुलन बनाए रखने में मदद करता है और मानसिक स्थिरता को बढ़ावा देता है।

सर्वांगासन

विधिः पीठ के बल लेट जाएँ, पैरों को धीरे–धीरे ऊपर उठाएँ और कंधों पर वजन डालें। हाथों से पीठ को समर्थन दें।

लाभः यह आसन रक्त संचार को बेहतर बनाता है और थायरॉइड ग्रंथियों को सक्रिय करता है।

पश्चिमोत्तानासन

विधिः खड़े हो जाएँ और धीरे–धीरे कमर से झुकते हुए हाथों को जमीन की ओर बढ़ाएँ।

लाभःयह आसन शरीर की लचीलापन को बढ़ाता है और तनाव को कम करता है।

शवासन

विधिः पीठ के बल लेट जाएँ, हाथों और पैरों को आराम से रखें और पूरी तरह से शांत हो जाएँ।

लाभः यह आसन मानसिक विश्राम प्रदान करता है और तनाव को कम करता है। इन आसनों को करते समय सही तकनीक और सांसों का ध्यान रखना महत्वपूर्ण है। किसी भी आसन को करते समय यदि आपको कोई असुविधा महसूस हो, तो तुरंत इसे बंद कर दें और अपने चिकित्सक से परामर्श करें।

# क्या आप जानती हैं फ्रिज में रखे आटे से बनी रोटियां खाने के नुकसान ?

अक्सर अपना सुना होगा कि एक्सपर्ट्स सलाह देते हैं, आटा गूंथकर तुरंत रोटी बनाकर खानी चाहिए। लेकिन ज्यादातर लोग सुविधा के लिए एक बार में ज्यादा आटा गूंथकर फ्रिज में रख देते हैं और बाद में उसका उपयोग करते हैं। ध्यान दें कि फ्रिज में रखे आटे से बनी रोटियों में कुछ महत्वपूर्ण विटामिन्स और मिनरल्स कम हो सकते हैं। यहां हम आपको बताएंगे फ्रिज में रखे आटे से बनी रोटियों के कुछ साइड इफेक्ट्स के बारे में, जिनके बारे में आपको पता होना बेहद जरुरी है।

गट हेल्थ पर नकारात्मक असर

फ्रिज में रखे हुए आटे से बनी रोटियां आपकी गट हेल्थ पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती हैं। लगातार इस तरह का आटा प्रयोग करने से गैस, एसिडिटी और अन्य पेट संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा, गूंथे हुए आटे को फ्रिज में रखने से आटे में फंगस लगने की संभावना भी होती है, जो आपकी तबीयत को प्रभावित कर सकती है।

बैक्टीरिया का जोखिम

लंबे समय तक फ्रिज में रखे गए आटे में बैक्टीरिया पैदा होने की संभावना बढ़ जाती है। इसके अलावा, ताजे आटे से बनी रोटियों का स्वाद फ्रिज में रखे आटे से बनी रोटियों की तुलना में बेहतर होता है। यदि आप अपनी सेहत को बनाए रखना चाहते हैं, तो गूंथे हुए आटे को फ्रिज में रखने से बचें।

फ्रेश आटे को प्राथमिकता दें

रोटियों में अधिक से अधिक पोषक तत्वों का लाभ उठाने के लिए आपको फ्रेश आटे का उपयोग करना चाहिए। आटा गूंथते समय साफ–सफाई का विशेष ध्यान रखें और ताजे आटे से बनी रोटियां अपनी डाइट में शामिल करें।

इन सुझावों का पालन करके आप अपनी सेहत और रोटियों की गुणवत्ता दोनों को बनाए रख सकते हैं।

# ऑफिस में खुद को तरोताजा और आकर्षक बनाए रखने के लिए फ्रलो करें ये 8 सरल स्किनकेयर हैक्स

कार्यस्थल पर आत्मविश्वास सिर्फ सही कपड़े पहनने या प्रेजेंटेशन तकनीकों में महारत हासिल करने से कहीं अधिक आप पर निर्भर करता है। अगर आप आपकी खुद की त्वचा को आरामदायक और आत्मविश्वास महसूस करने के बारे में जरुर सोचना चाहिए। पेशेवर क्षेत्र में, आत्मविश्वास प्रदर्शित करना महत्वपूर्ण है। जबकि आपकी विशेषज्ञता और कौशल आपके करियर की सफलता की रीढ़ हैं, एक शानदार और अच्छी तरह से तैयार उपस्थिति बनाए रखने से आपकी पेशेवर छवि को काफी बढ़ावा मिल सकता है। एक प्रभावी त्वचा देखभाल दिनचर्या उस संयमित और आत्मविश्वासपूर्ण लुक को प्राप्त करने में एक महत्वपूर्ण घटक है।

फॉलो करें ये 8 स्किन केयर टिप्स

एक ठोस दिनचर्या से शुरुआत करें

–क्लींजर का प्रयोगः अपनी त्वचा की प्राकृतिक नमी को छीने बिना गंदगी, तेल और अशुद्धियों को हटाने के लिए एक सौम्य क्लींजर का उपयोग करें। प्रतिदिन सुबह और शाम दो बार सफाई करें।

–टोनिंगः टोनर आपकी त्वचा के पीएच को संतुलित करने और इसे आपकी दिनचर्या के अगले स्टेप के लिए तैयार करने में मदद कर सकता है। अपनी त्वचा को शुष्क होने से बचाने के लिए अल्कोहल–मुक्त टोनर चुनें।

–मॉइस्चराइजिंगः हाइड्रेशन सभी प्रकार की त्वचा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। ऐसा मॉइस्चराइज़र चुनें जो आपकी त्वचा के प्रकार के अनुरूप हो – तैलीय त्वचा के लिए हल्के जैल और ड्राई त्वचा के लिए समृद्ध क्रीम।

–धूप से सुरक्षाः सनस्क्रीन से समझौता नहीं किया जा सकता। यूवी क्षति से बचाने के लिए, घर के अंदर भी, हर दिन ब्रॉड–स्पेक्ट्रम एसपीएफ30 या उच्चतर का उपयोग करें।

हाइड्रेशन जरुरी

निर्जलित त्वचा सुस्त और थकी हुई दिख सकती है। दिन भर में भरपूर पानी पीना महत्वपूर्ण है, लेकिन हाइड्रेटिंग त्वचा देखभाल उत्पादों का उपयोग करने से अतिरिक्त बढ़ावा मिल सकता है। नमी बनाए रखने और अपनी त्वचा को कोमल और चमकदार बनाए रखने के लिए हयालूरोनिक एसिड, ग्लिसरीन और सेरामाइड्स जैसे इंग्रेडिएंटकी तलाश करें। लंबे समय तक चलने वाले परिणामों के लिए, प्रोफिलो के साथ बायो–रीमॉडलिंग जैसे उपचारों पर विचार करें, जो चेहरे, गर्दन और हाथों को गहराई से हाइड्रेट करने और लोच में सुधार करने के लिए अल्ट्राप्योर हयालूरोनिक एसिड का उपयोग करता है।

आंखों की देखभाल

आपकी आंखों के आसपास की नाजुक त्वचा अक्सर थकान और उम्र बढ़ने के लक्षण दिखाने वाला पहला क्षेत्र है। काले घेरे, सूजन और बारीक रेखाओं जैसी समस्याओं से निपटने के लिए आई क्रीम का उपयोग करें। कैफीन, विटामिन सी और पेप्टाइड्स जैसे तत्व आंखों के नीचे के क्षेत्र को चमकदार और मजबूत बनाने में मदद कर सकते हैं, जिससे आप अधिक सतर्क और युवा दिखते हैं।

नियमित रूप से एक्सफोलिएट करें

नियमित एक्सफोलिएशन मृत त्वचा कोशिकाओं को हटाने में मदद करता है, जिससे त्वचा चिकनी और अधिक चमकदार होती है। सप्ताह में 1–2 बार हल्के स्क्रब या अल्फा हाइड्रॉक्सी एसिड (एएचए) या बीटा हाइड्रॉक्सी एसिड (बीएचए) युक्त रासायनिक एक्सफोलिएंट का उपयोग करके एक्सफोलिएट करने का लक्ष्य रखें। यह त्वचा की बनावट में सुधार कर सकता है और अन्य त्वचा देखभाल उत्पादों के अवशोषण को बढ़ा सकता है।

अच्छे से आराम करें

नींद समग्र स्वास्थ्य और त्वचा देखभाल दोनों का एक महत्वपूर्ण घटक है। नींद की कमी से काले घेरे, सूजन और रंग फीका पड़ सकता है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि आपकी त्वचा ताजा और तरोताजा दिखे, हर रात 7–9 घंटे की गुणवत्तापूर्ण नींद का लक्ष्य रखें। लगातार सोने का शेड्यूल आपकी त्वचा की प्राकृतिक मरम्मत प्रक्रियाओं को विनियमित करने में भी मदद कर सकता है।

तनाव का प्रबंधन करें

तनाव आपकी त्वचा पर बुरा असर डाल सकता है, जिससे मुंहासे और अन्य समस्याएं हो सकती हैं। तनाव प्रबंधन तकनीकों जैसे व्यायाम, ध्यान, या यहां तक घ्कि हर दिन कुछ मिनट गहरी सांस लेने को शामिल करें। तनाव पर नियंत्रण रखने से रंग साफ, स्वस्थ बनाए रखने में मदद मिल सकती है।

न्यूनतम मेकअप, अधिकतम प्रभाव

ऐसे सेट–अप में प्राकृतिक, पॉलिश किया हुआ लुक अक्सर सबसे उपयुक्त होता है। ऐसे मेकअप का चयन करें जो बहुत ज़्यादा मेकअप किए बिना आपकी विशेषताओं को निखारे। एक हल्का फाउंडेशन या बीबी क्रीम, मस्कारा का एक स्पर्श और एक न्यूट्रल लिप कलर आपको एक साथ और पेशेवर दिखने में मदद कर सकता है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि यह पूरे कार्यदिवस तक बना रहे, अपने मेकअप को सेटिंग स्प्रे या पाउडर से सेट करना न भूलें।

पौष्टिक आहार लें

विटामिन और खनिजों से भरपूर संतुलित आहार स्वस्थ त्वचा का समर्थन करता है। आपकी त्वचा को बेहतरीन दिखने के लिए आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करने के लिए अपने भोजन में फल, सब्जियां, लीन प्रोटीन और स्वस्थ वसा शामिल करें।

## संक्षिप्त

### विदेशी एयरलाइन को जीएसटी नोटिस भारत की मजबूत विमानन क्षमता को कमजोर कर सकते हैं : आईएटीए

नयी दिल्ली । वैश्विक एयरलाइन समूह आईएटीए ने भारत में उड़ान भरने वाली कुछ विदेशी एयरलाइन को माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के संबंध में कारण बताओ नोटिस जारी किए जाने पर मंगलवार को चिंता जाहिर की और कहा कि इससे देश की मजबूत विमानन क्षमता प्रभावित हो सकती है। अंतरराष्ट्रीय वायु परिवहन संघ (आईएटीए) ने सरकार से इस मामले को सुलझाने का आग्रह किया और कहा कि वह इस बात से निराश है कि जीएसटी खुफिया महानिदेशालय (डीजीजीआई) ने इस मामले पर उद्योग द्वारा कई अभ्यावेदन दिए जाने के बावजूद भारत में परिचालन करने वाली कुछ विदेशी एयरलाइन को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। आईएटीए भारतीय एयरलाइन कंपनियों सहित 330 से अधिक एयरलाइन कंपनियों का प्रतिनिधित्व करता है। इसके सदस्यों की वैश्विक हवाई यातायात में 80 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी है। आईएटीए के उत्तर एशिया एवं एशिया प्रशांत क्षेत्र के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष (अंतरिम) शी जिंगक्वान ने बयान में कहा, '' डीजीजीआई का यह दावा कि विदेशी एयरलाइन (जिनके भारत में शाखा कार्यालय हैं) के मुख्यालयों द्वारा हवाई परिवहन सेवाएं प्रदान करने के दौरान किए गए व्यय पर जीएसटी लागू होना चाहिए...यह त्रुटिपूर्ण है। इसमें अंतरराष्ट्रीय हवाई परिवहन के प्रावधान में शामिल प्रकृति तथा परंपराओं को ध्यान में नहीं रखा गया है।'' उन्होंने कहा कि भारत ऐसा करने वाला अकेला देश है। विश्व में कहीं भी ऐसा नहीं होता। शी जिंगक्वान ने कहा, '' भारत से बाहर के गंतव्यों के लिए उड़ान भरने वाली भारतीय विमानन कंपनियों को ऐसी स्थिति या मांग का सामना नहीं करना पड़ता है।'' डीजीजीआई की जांच के दायरे में करीब 10 विदेशी एयरलाइन हैं। इन एयरलाइन को अक्टूबर 2023 से नोटिस मिल चुके हैं। आईएटीए ने इस मामले पर भारत सरकार को एक विस्तृत प्रतिवेदन भी प्रस्तुत किया था।

### रिजर्व बैंक का कर्ज को लेकर जोखिम प्रबंधन के लिए नियामकीय व्यवस्था का प्रस्ताव

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सोमवार को बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों के लिए कर्ज से जुड़े 'मॉडल' जोखिम प्रबंधन को लेकर रूपरेखा का प्रस्ताव किया। इस पहल का मकसद क्षेत्र में सूझबूझ और मजबूती सुनिश्चित करना है। आरबीआई के नियमन के दायरे में आने वाली इकाइयां (बैंक, एनबीएफसी आदि) कर्ज प्रबंधन के लिए विभिन्न मॉडल का उपयोग करती हैं। इनमें क्रेडिट मूल्यांकन, कर्ज लेने वालों के 'क्रेडिट स्कोर', मूल्य निर्धारण और जोखिम प्रबंधन आदि शामिल हैं। रिजर्व बैंक ने 'कर्ज को लेकर मॉडल जोखिम प्रबंधन के लिए नियामक सिद्धांतों पर एक मसौदा परिपत्र में कहा कि चूंकि वर्तमान में जो मॉडल हैं, अतरू इससे अनिश्चितताओं की आशंकाएं रहती हैं। इससे बैंक और एनबीएफसी (गैर–बैंकिंग वित्तीय कंपनियां) के लिए मॉडल के स्तर पर जोखिम की स्थिति रहती है। इसका क्रेडिट जोखिम प्रबंधन, अनुपालन और साख से संबंधित पहलुओं पर प्रभाव पड़ता है। आरबीआई ने ऐसे मॉडल के उपयोग में सूझबूझ और मजबूती सुनिश्चित करने के मकसद से कुछ व्यापक नियामकीय सिद्धांतों को निर्धारित करने का प्रस्ताव किया है। मसौदे में कहा गया है, ''बैंक, एनबीएफसी और आरबीआई के दायरे में आने वाली अन्य इकाइयां मॉडल जोखिम प्रबंधन रूपरेखा के संदर्भ में नीति को मंजूरी देंगी। यह उपयोग वाले सभी मॉडल के लिए होगा... ।'' नीति में स्वतंत्र जांच/चल रही सत्यापन या समीक्षा प्रक्रियाएं भी शामिल होनी चाहिए। साथ ही आंतरिक लेखापरीक्षा कार्य की भूमिका सहित निगरानी और रिपोर्टिंग ढांचा भी होना चाहिए। 'क्रेडिट' यानी कर्ज से जुड़े जोखिम 'मॉडल' मात्रात्मक पद्धति से जुड़ा है जो कर्ज से संबंधित निर्णयों में उपयोग किया जाता है। इसमें आंकड़ों के प्रसंस्करण के लिए सांख्यिकीय, आर्थिक, वित्तीय या गणितीय सिद्धांतों और मान्यताओं को उपयोग किया जाता है। मसौदे में कहा गया है कि बैंक और एनबीएफसी उपयोग किए जाने वाले मॉडल या तो आंतरिक रूप से विकसित कर सकते हैं या सहयोगपूर्ण कर्ज व्यवस्था के तहत बाहरी तीसरे पक्ष से प्राप्त कर सकते हैं या यह दोनों का मिश्रण हो सकता है।

### बजाज हाउसिंग फाइनेंस समेत पांच कंपनियों को म्ट्प से आईपीओ के लिए हरी झंडी

नयी दिल्ली । बजाज हाउसिंग फाइनेंस और मनबा फाइनेंस समेत पांच कंपनियों को बाजार नियामक सेबी ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने से संबंधित स्वीकृति दे दी है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की तरफ से उपलब्ध कराई गई सूचना के मुताबिक, आईपीओ लाने की मंजूरी पाने वाली कंपनियों में बाजार स्टाइल रिटेल, डिफ्यूजन इंजीनियर्स लिमिटेड और दीपक बिल्डर्स एंड इंजीनियर्स इंडिया भी शामिल हैं। दूसरी तरफ सेबी ने 31 जुलाई को संथान टेक्सटाइल्स लिमिटेड के आईपीओ संबंधी दस्तावेजों के मसौदे को वापस कर दिया। इसके साथ ही सेबी ने एसके फाइनेंस की प्रस्तावित 2,200 करोड़ रुपये की आरंभिक शेयर बिक्री पर लगी रोक हटा दी है। सेबी के 'अपडेट' के मुताबिक, मार्च और जून के बीच आईपीओ संबंधी दस्तावेज दाखिल करने वाली पांच कंपनियों को 30 जुलाई से पांच अगस्त के दौरान नियामकीय अवलोकन पत्र मिले हैं। अवलोकन पत्र पाने का मतलब सार्वजनिक निर्गम जारी करने की मंजूरी से है। दस्तावेजों के मुताबिक, बजाज हाउसिंग फाइनेंस के 7,000 करोड़ रुपये के आईपीओ में 4,000 करोड़ रुपये तक के नए इक्विटी शेयर और मूल कंपनी बजाज फाइनेंस द्वारा 3,000 करोड़ रुपये के इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) की जाएगी। यह शेयर बिक्री भारतीय रिजर्व बैंक के उन नियमों का पालन करने के लिए की जा रही है, जिसके तहत ऊपरी स्तर की गैर–बैंकिंग वित्तीय कंपनियों को सितंबर, 2025 तक शेयर बाजारों में सूचीबद्ध होना जरूरी है।

# 27 साल की साख दांव पर, 'गुरु गंभीर' की कोचिंग में श्रीलंका को चारों खाने चित करना चाहेगी टीम इंडिया

नई दिल्ली। भारत और श्रीलंका के बीच बुधवार को तीन मैचों की सीरीज का तीसरा व अंतिम वनडे मैच कोलंबो में खेला जाएगा। भारतीय टीम की कोशिश 27 साल की अपनी साख को मजबूती से बरकरार रखने की होगी। भारत ने पिछले 27 सालों में श्रीलंका के हाथों कोई द्विपक्षीय वनडे सीरीज नहीं गंवाई है। वैसे, भी गौतम गंभीर का भारतीय टीम के हेड कोच के रूप में यह पहला अभियान है और वो हार कतई सहन नहीं करना चाहेंगे। भारत ने आखिरी बार श्रीलंका के खिलाफ 1997 में वनडे सीरीज गंवाई थी। अर्जुन रणतुंगा के नेतृत्व वाली श्रीलंकाई टीम ने सचिन तेंदुलकर की अगुवाई वाली भारतीय टीम को 3–0 से मात दी थी।

भारत का शानदार रिकॉर्ड

इसके बाद भारत और श्रीलंका के बीच कुल 11 द्विपक्षीय वनडे सीरीज खेली गई और हर बार टीम इंडिया के पक्ष में नतीजे आए। बहरहाल, मौजूदा सीरीज पर गौर करें तो मेहमान टीम 0–1 से पिछड़ रही है। भारत और श्रीलंका के बीच पहला वनडे टाई हुआ था। इसके बाद मेजबान टीम ने दूसरे मुकाबले में दमदार प्रदर्शन करते हुए 32 रन से जीत दर्ज की।

बल्लेबाजी में सुधार की जरुरत

भारतीय टीम की वनडे सीरीज के दौरान सबसे बड़ी कमजोरी उभरकर सामने आई, वो है स्पिनर्स के खिलाफ बल्लेबाजों का नहीं चलना। भारतीय बल्लेबाज मेजबान टीम के स्पिनर्स के सामने संघर्ष करते हुए नजर आए। भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली जिस अंदाज में स्पिनर्स के खिलाफ आउट हुए, वह टीम के लिए चिंता का विषय बन चुका है। इस मैदान पर विराट कोहली ने चार शतक जमाए हैं। उन्हें उम्मीद होगी कि आखिरी वनडे में अपनी ताबड़तोड़ पारी से भारत को जीत दिलाएं और रिकॉर्ड्स की भरमार लगाएं। इसके अलावा शिवम दुबे को स्पिनर्स के खिलाफ अच्छा बल्लेबाज माना जा रहा था, लेकिन वह दूसरे वनडे में नियमित लेग स्पिन को समझ नहीं पाएं व अपना विकेट गंवाकर पवेलियन लौट गए।

बल्लेबाजों को विश्वास पाना होगा

इसके अलावा श्रेयस अय्यर और केएल राहुल की बात करें तो पहले इनका स्पिनर्स के खिलाफ रिकॉर्ड अच्छा रहा है। मगर श्रीलंकाई स्पिनर्स के खिलाफ दोनों बैटर्स स्ट्राइक रोटेट करने में नाकाम दिखे। प्रेमदासा स्टेडियम पर स्पिनर्स के खिलाफ सबसे तगड़ा हथियार स्ट्राइक रोटेट करना है। भारतीय बैटर्स को कप्तान रोहित शर्मा से सबक लेना चाहिए, जिन्होंने आक्रामक रवैये के कारण विरोधी गेंदबाजों को दबाव में रखा।

पराग को मिलेगा मौका?

टीम प्रबंधन तीसरे वनडे में शिवम दुबे की जगह रियान पराग को आजमाने पर विचार कर सकता है। पराग एक आक्रामक बल्लेबाज होने के साथ–साथ स्पिन गेंदबाज भी हैं। वह विरोधी टीम के लिए मुसीबत खड़ी कर सकते हैं। रोहित शर्मा के नेतृत्व वाली भारतीय टीम की कोशिश तीसरा वनडे हर हाल में जीतकर 27 साल की अपनी साख को बचाए रखने की होगी।

दोनों टीमें इस प्रकार हैं–

भारत – रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, ऋषभ पंत, श्रेयस अय्यर, शिवम दुबे, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, वॉशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, रियान पराग, अक्षर पटेल, खलील अहमद और हर्षित राणा।

श्रीलंका – चरित असलंका (कप्तान), पाथुम निसांका, अविष्का फर्नांडो, कुसल मेंडिस, सदीरा समरविक्रमा, कमिंडु मेंडिस, जनिथ लियानागे, निशान मदुष्का, दुनीथ वेलालागे, चमिका करुणारत्ने, अकिला धनंजय, मोहम्मद शिराज, महीश थीक्षणा, असित फर्नांडो, एहसान मलिंगा और जैफ्री वांडरसे।

## बांग्लादेश में अब महिला टी-20 विश्व कप होना मुश्किल! तख्तापलट के बाद ICC की है नजर

*2009 से सत्ता में रहीं प्रधान मंत्री शेख हसीना ने इस्तीफा दे दिया है और भारत में शरण मांगी है। सेना ने नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया है और अंतरिम सरकार स्थापित करने की योजना बना रही है।*

बांग्लादेश वर्तमान में इतिहास के सबसे अशांत समयों में से

एक का कर रहा है। व्यापक विरोध प्रदर्शनों के कारण महत्वपूर्ण उथल–पुथल मची हुई है। नागरिक अशांति के बीच 300 से अधिक लोगों की जान चली गई है और हजारों लोग घायल हुए हैं। 2009 से सत्ता में रहीं प्रधान मंत्री शेख हसीना ने इस्तीफा दे दिया है और भारत में शरण मांगी है। सेना ने नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया है और अंतरिम सरकार स्थापित करने की योजना बना रही है। इस राजनीतिक और सामाजिक उथल–पुथल ने 3 से 20 अक्टूबर तक बांग्लादेश में होने वाले 2024 आईसीसी महिला टी20 विश्व कप के आयोजन के बारे में गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अभी तक वर्तमान के संबंध में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। बांग्लादेश की स्थिति देशभर में हो रहे हिंसक विरोध प्रदर्शनों से देश में सुरक्षा खतरा चरम पर पहुंच गया है। इन घटनाक्रमों के आलोक में, पिछले महीने श्रीलंका के कोलंबो में आईसीसी की वार्षिक आम बैठक में बांग्लादेश के सुरक्षा मुद्दों, विशेष रूप से आगामी महिला टी20 विश्व कप के संबंध में चर्चा शामिल थी। रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि आईसीसी स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही है और उसने नोट किया है कि आयोजन में अभी कई महीने बाकी हैं। हालाँकि, बढ़ती हिंसा और अस्थिरता के कारण योजना के अनुसार बांग्लादेश में टूर्नामेंट की मेजबानी की व्यवहार्यता पर संदेह बना हुआ है। बांग्लादेश में विरोध प्रदर्शन एक अदालत द्वारा सरकारी नौकरियों के लिए कोटा प्रणाली बहाल करने के बाद शुरू हुआ। ऐसा कहा जाता है कि कोटा ने पाकिस्तान के खिलाफ 1971 के बांग्लादेश मुक्ति युद्ध के स्वतंत्रता सेनानियों के परिवार के सदस्यों के लिए 30 प्रतिशत सरकारी नौकरियां आरक्षित की हैं।

### दिनेश कार्तिक को एसए20 लीग का दूत नियुक्त किया गया

भारत के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक को सोमवार को एसए20 लीग का लीग दूत (एम्बेसडर) नियुक्त किया गया। कार्तिक दक्षिण अफ्रीका में खेले जाने वाले इस फ्रेंचाइजी टूर्नामेंट से जुड़ने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी हैं। उन्होंने इस साल की शुरुआत में क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया था। एसए20 की ओर से जारी मीडिया विज्ञप्ति में कार्तिक के हवाले से कहा गया, '' इस लीग के शुरुआती दो सत्र कमाल के रहे हैं जिसमे दुनिया के कुछ सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ रोमांचक युवा प्रतिभाओं ने वैश्विक मंच पर शानदार प्रदर्शन किये है।'' विज्ञप्ति के मुताबिक, ''कार्तिक लीग के वैश्विक प्रशंसक आधार को मजबूत करने और भारत तथा इंग्लैंड के प्रमुख रणनीतिक बाजारों में ब्रांड जागरूकता को मजबूत करने में मदद करने के लिए साथी खिलाड़ी और एसटी20 के अन्य दूत एबी डिविलियर्स और प्रबंधन टीम के साथ मिलकर काम करेंगे।'' दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान और लीग आयुक्त ग्रीम स्मिथ ने कहा, ''कार्तिक की असाधारण क्रिकेट प्रतिभा और व्यक्तित्व उन्हें हमारी लीग के लिए बिल्कुल उपयुक्त बनाते हैं और उनकी भागीदारी निस्संदेह विश्व स्तर पर और भारत में इस लीग को बढ़ावा मिलेगा।

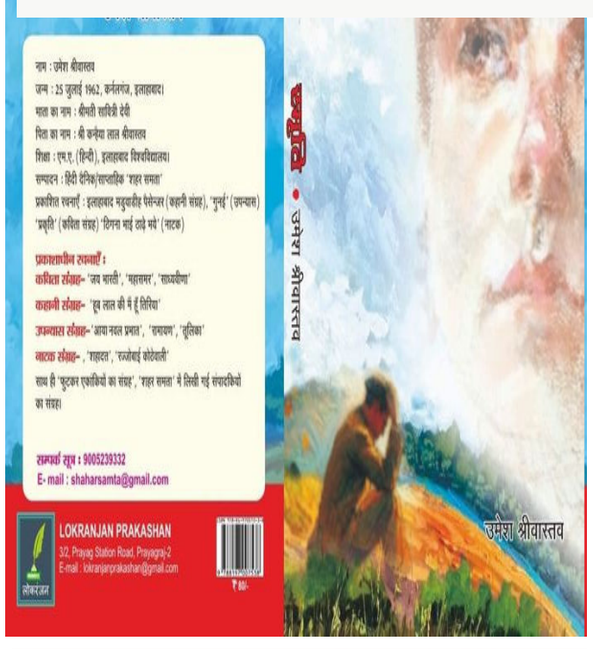


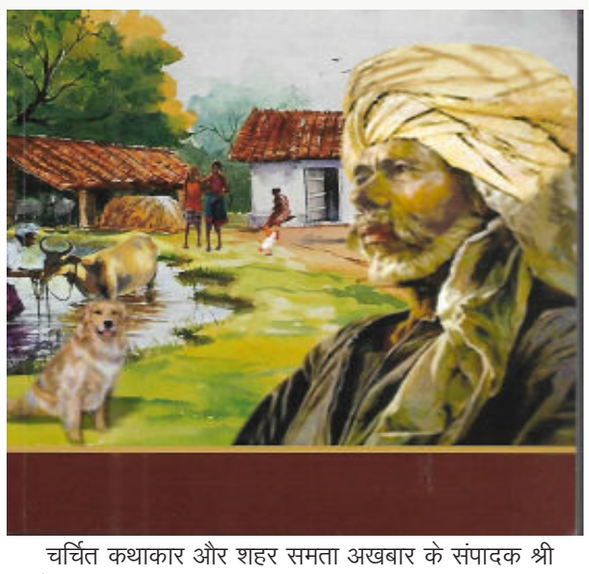

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

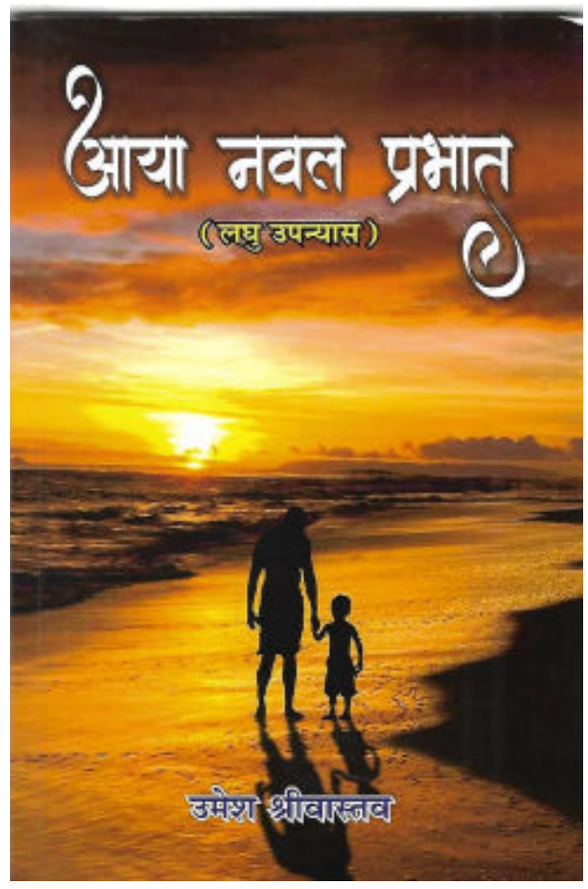


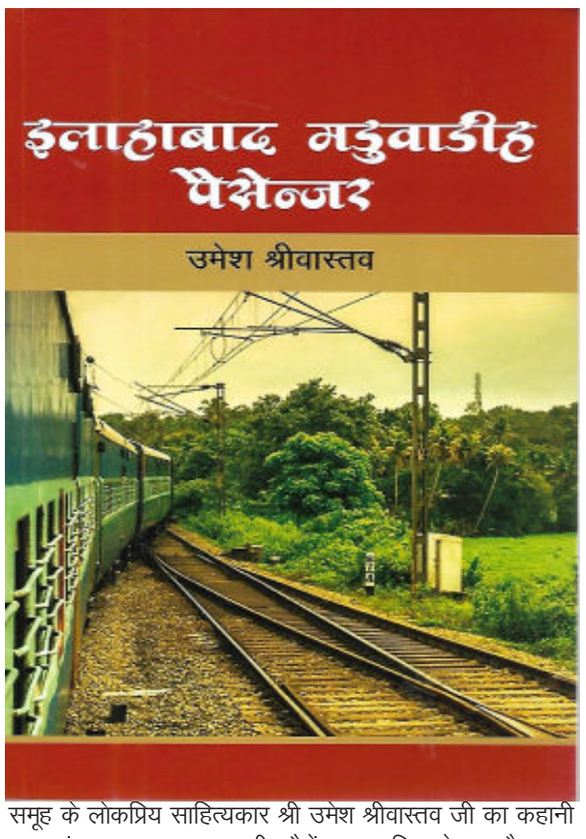


समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

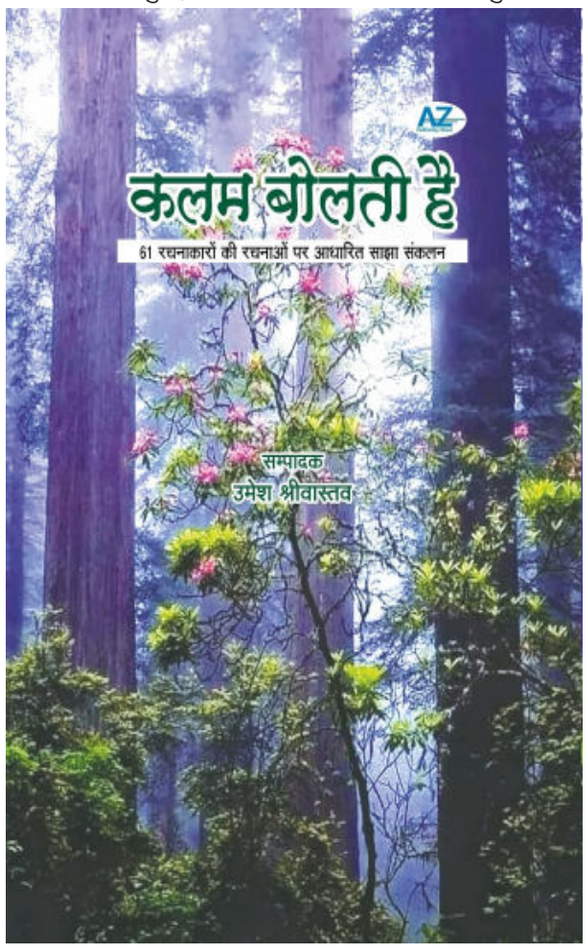


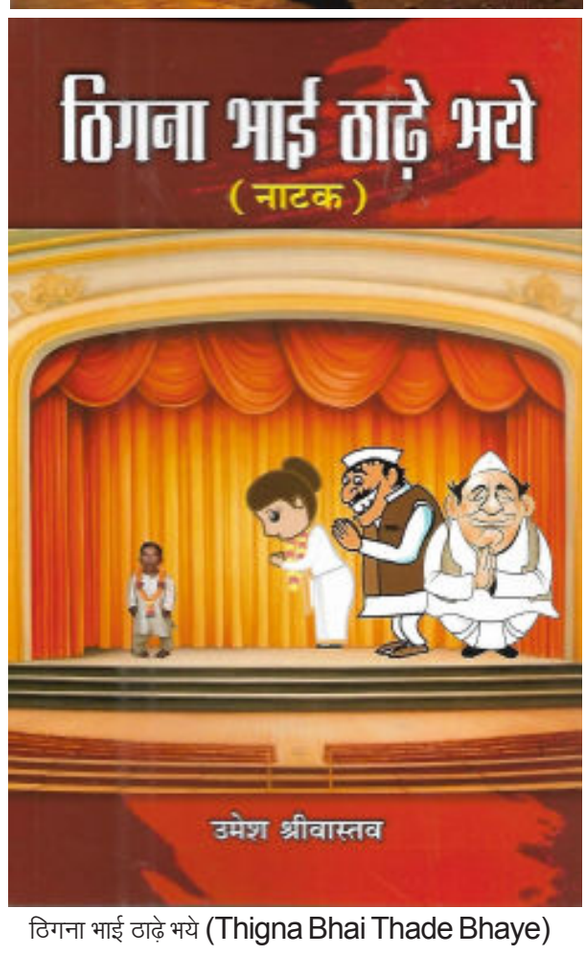


ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

# बांग्लादेश राजनीतिक हिंसा: को अब भारत सुलझाएगा ? सेना प्रमुख से साधा संपर्क, बताया जाता है दिल्ली का करीबी

भारत ने सेना प्रमुख जनरल वेकर–उस–ज़मान के नेतृत्व में बांग्लादेश के सैन्य नेतृत्व से संपर्क किया है और संघर्ष प्रभावित देश में शांति, कानून और व्यवस्था और सामान्य स्थिति की शीघ्र बहाली के लिए कहा है। शीर्ष सरकारी सूत्रों के अनुसार, मोदी सरकार पहले ही सेना प्रमुख से संपर्क कर चुकी है और सोमवार को शेख हसीना के सत्ता से बाहर होने के बाद देश में सामान्य स्थिति की बहाली के लिए हर संभव सहायता देने को तैयार है। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधान मंत्री शेख हसीना को देश के अतिथि के रूप में माना जा रहा है और यह उन्हें अपने भविष्य के प्रवास के बारे में निर्णय लेना है। जमान के भारत से अच्छे संबंध हैं। उन्होंने टेलीविजन पर अपने भाषण में बताया कि सभी राजनीतिक दलों से चर्चा के बाद, बांग्लादेश में एक अंतरिम सरकार बनाने का फैसला लिया गया है।

सर्वदलीय बैठक में एस जयशंकर

सर्वदलीय बैठक में विदेश मंत्री एस जयशंकर से जब विपक्ष ने पूछा कि क्या हसीना को सत्ता से बाहर करने में पाकिस्तान की कोई भूमिका है, तो उन्होंने पाकिस्तानी राजनयिकों के सोशल मीडिया अकाउंट पर बांग्लादेश विपक्ष की प्रदर्शित तस्वीरों की ओर इशारा किया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि पाकिस्तान के

हस्तक्षेप की भूमिका की अभी भी जांच की जा रही है। शेख हसीना को सत्ता से बेदखल करने के बाद, नरेंद्र मोदी सरकार ने बांग्लादेश में तख्तापलट के परिणामों का आकलन किया है और यह सुनिश्चित करने के लिए रणनीति तैयार कर रही है कि प्रदर्शनकारी युवाओं के साथ बातचीत के माध्यम से ढाका में सामान्य स्थिति बहाल हो। शेख हसीना ने अपने भारतीय वार्ताकारों को पहले ही संकेत दे दिया था कि वह जनवरी 2024 का आम चुनाव अप्रैल 2023 में नहीं लड़ना चाहती थीं और अपने समर्थकों के समझाने के बाद ही वह अनिच्छा से चुनावी मैदान में उतरीं। इस्लामवादियों के साथ–साथ पश्चिम के शासन परिवर्तन एजेंटों से खतरा था, हसीना नहीं चाहती थी कि उसके परिवार में कोई भी उसका उत्तराधिकारी बने क्योंकि वह जानती थी कि वे उसके विरोधियों द्वारा मारे जाएंगे। इस तरह, हसीना इस्लामवादियों के खिलाफ एक मजबूत दीवार थी जो सोमवार को प्रदर्शनकारियों की साजिश के कारण गिर गई।

## संक्षिप्त

### बांग्लादेश में हिंसा जारी, दंगाइयों ने होटल में आठ लोगों को जिंदा जलाया, 500 कैदी भी छुड़ाए

बांग्लादेश में इन दिनों सियासी तखता पलट चुका है। हर तरफ हड़कंप मचा हुआ है। बीते महीने से ही आरक्षण के मुद्दे को लेकर छात्र सड़कों पर उतरे हुए है। लगातार सुप्रीम कोर्ट के फैसले का विरोध भी कर रहे है। वहीं सोमवार को बांग्लादेश में स्थिति इतनी विकट हो गई कि प्रधानमंत्री शेख हसीना तक देश छोड़ने पर मजबूर हो गई। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने इस्तीफा दे दिया है। इसके बाद उन्होंने देश भी छोड़

दिया है। वहीं अब शेख हसीना के बांग्लादेश छोड़ने के बाद भी देश में हिंसा नहीं थम रही है। बांग्लादेश में उपद्रवी लगातार अल्पसंख्यक हिंदुओं को निशाना बना रहे हैं और उन पर लगातार हमले कर रहे हैं। इसके अलावा प्रदर्शनकारियों ने शेख हसीना और उनकी पार्टी आवामी लीग के समर्थकों और उनके प्रतिष्ठानों को भी निशाना बनाया है। उपद्रवियों ने सोमवार को एक होटल को आग के हवाले कर दिया जिस घटना में आठ लोग मारे गए। वहीं बांग्लादेश में स्थिति बेहद गंभीर है। देश की जेलों को भी उपद्रवियों ने अपना निशाना बनाया है। हालात पर काबू पाने के लिए सरकार ने देश में रविवार शाम से ही कर्फ्यू लगाया हुआ है। सोमवार को प्रदर्शनकारियों ने कर्फ्यू को तोड़कर सड़कों पर उतरकर उपद्रव मचाना शुरू कर दिया। डंडे लेकर उपद्रवी जेल में भी घुस गए। यहां से 500 कैदी भी फरार हो गए है। उपद्रवियों के कारण शेरपुर जेल से कैदी फरार हुए है।

### यूके ने शरण देने से किया इनकार, अब क्या करेंगी शेख हसीना?

शाम के साढ़े पांच बजे बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना भारत की धरती पर लैंड कर जाती हैं। बांग्लादेश में हफ्तों से चल रहे प्रदर्शनों और राजनीतिक संकट के बीच उन्होंने इस्तीफा दे दिया। मीडिया रिपोर्टों से पता चला है कि बाद में उनके लंदन जाने की उम्मीद है, जहां वह राजनीतिक शरण मांग सकती हैं। हालांकि अब इसको लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। ब्रिटेन के गृह कार्यालय ने बताया कि ब्रिटिश आव्रजन नियम व्यक्तियों को शरण या अस्थायी शरण लेने के लिए उस देश की यात्रा करने की अनुमति नहीं देते हैं। लगातार अटकलों के बीच कि बांग्लादेश की अपदस्थ नेता शेख हसीना दिल्ली में हैं। दावा किया जा रहा था कि वो लंदन के लिए उड़ान भरेंगी। पिछले महीने लेबर पार्टी की शानदार जीत के बाद अब सर कीर स्टार्मर के नेतृत्व वाली ब्रिटेन सरकार ने भी कहा है कि शरण चाहने वाले व्यक्तियों को पहले सुरक्षित देश में पहुंचना होगा जहां वे पहुंचेंगे। यूके के पास उन लोगों को सुरक्षा प्रदान करने का गौरवपूर्ण रिकॉर्ड है, जिन्हें इसकी आवश्यकता है। हालांकि, किसी को शरण या अस्थायी शरण लेने के लिए यूके की यात्रा करने की अनुमति देने का कोई प्रावधान नहीं है। ब्रिटेन के गृह कार्यालय के प्रवक्ता ने कहा कि जिन लोगों को अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा की ज़रूरत है, उन्हें पहले सुरक्षित देश में शरण का दावा करना चाहिए। सूत्रों से संकेत मिलता है कि औपचारिक शरण अनुरोध पर कार्रवाई की जा रही है।

### ब्रिटेन में 'धुर दक्षिणपंथियों की गुंडागर्दी' को लेकर पीएम केअर स्टॉर्मर ने आपात बैठक बुलाई

लंदन । ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर ने सोमवार को यहां '10 डाउनिंग स्ट्रीट' में वरिष्ठ मंत्रियों और पुलिस प्रमुखों की एक आपात बैठक बुलाई है। यह बैठक देश के कई शहरों में सप्ताहांत में हुई हिंसा के मद्देनजर बुलाई गई है। लंदन स्थित '10 डाउनिंग स्ट्रीट' में ब्रिटेन के प्रधानमत्री का आधिकारिक आवास और कार्यालय है। इस हिंसा को प्रधानमंत्री ने ''धुर दक्षिणपंथियों की गुंडागर्दी'' करार दिया और कहा कि उनके खिलाफ सख्ती से निपटा जाएगा। उत्तर–पश्चिम इंग्लैंड के साउथपोर्ट में तीन स्कूली छात्राओं की चाकू गोदकर हत्या कर दी गई थी। जिसके बाद देश की सड़कों पर कई दिनों तक हुए हिंसक प्रदर्शन के कई दिनों बाद रविवार को रॉदरहैम, मिडल्सब्रो, बोल्टन और ब्रिटेन के अन्य हिस्सों से पुलिस अधिकारियों ने सैकड़ों लोगों को गिरफ्तार किया था।

# बांग्लादेश में दंगों के बीच अमेरिका में भी हमले शुरू, वाणिज्य दूतावास पर कट्टरपंथियों ने बोल दिया धावा

बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) समर्थकों के एक समूह ने मंगलवार को शेख हसीना के पिता और पूर्व राष्ट्रपति शेख मुजीबुर रहमान की तस्वीर हटाने के लिए न्यूयॉर्क में बांग्लादेश वाणिज्य दूतावास पर धावा बोल दिया। घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें, सिर पर लाल या बांग्लादेशी झंडा पहने हुए कई सदस्यों को वाणिज्य दूतावास पर धावा बोलते हुए देखा जा सकता है, जबकि अधिकारी स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश कर रहे हैं। वीडियो के अंत में पूर्व प्रधान मंत्री खालिदा जिया की पार्टी के कुछ सदस्यों को एक मेज की शेल्फ पर रखी शेख मुजीबुर रहमान की सभी तस्वीरों को हटाते हुए देखा जा सकता है। इससे पहले हजारों प्रदर्शनकारियों ने हसीना के परिवार के पैतृक घर–संग्रहालय में तोड़फोड़ की, जहां उनके पिता, शेख मुजीबुर

रहमान – देश के पहले राष्ट्रपति और स्वतंत्रता नेता – की हत्या कर दी गई थी। उन्होंने ढाका में उनकी मूर्ति भी तोड़ दी। 2009 से देश पर शासन करने वाली हसीना ने सोमवार को इस्तीफा दे दिया और सरकार विरोधी प्रदर्शन तेज होने के कारण देश छोड़कर भाग गईं, हजारों लोगों ने उनके आधिकारिक आवास पर धावा बोल दिया, जहां उन्होंने आग लगा दी, फर्नीचर तोड़ दिया और रेफ्रिजरेटर से कच्ची मछलियां निकाल लीं। कुछ घंटों बाद, बांग्लादेश के पूर्व पीएम सी–130 परिवहन विमान से उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में हिंडन एयर बेस पर उतरे। मीडिया रिपोर्टों से पता चलता है कि उनके लंदन जाने की संभावना है, जहां वह राजनीतिक शरण मांग सकती हैं। हसीना के बाहर निकलने के तुरंत बाद, बांग्लादेश सेना प्रमुख वेकर–उज़–ज़मान ने घोषणा की कि सेना जल्द ही एक अंतरिम सरकार बनाएगी। उन्होंने राष्ट्रपति शहाबुद्दीन और प्रमुख विपक्षी नेताओं के साथ, शहाबुद्दीन की प्रेस टीम से मुलाकात की और कहा कि तुरंत अंतरिम सरकार बनाने का निर्णय लिया गया है।

# ट्रम्प ने बिटकॉइन को लेकर कर दी लोगों से बड़ी अपील, क्रिप्टोकरेंसी कैसे अमेरिकी चुनाव में बना बड़ा मुद्दा

डोनाल्ड ट्रम्प ने नेसी में एक क्रिप्टो सम्मेलन में भीड़ से कहा कि अपना बिटकॉइन कभी न बेचें। रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार का भाषण नवंबर के चुनाव से पहले क्रिप्टो–केंद्रित मतदाताओं को आकर्षित करने के उनके प्रयास में नवीनतम प्रस्ताव था और उन्होंने राज्य बिटकॉइन रिजर्व की योजना सहित कई अभियान वादे पेश किए। ट्रम्प ने कहा कि यदि निर्वाचित होते हैं, तो यह मेरे प्रशासन की नीति होगी कि अमेरिकी सरकार वर्तमान में जो भी बिटकॉइन रखती है या भविष्य में अर्जित करती है, उसका 100 प्रतिशत अपने पास रखेगी। यह धनराशि रणनीतिक राष्ट्रीय बिटकॉइन भंडार के मूल के रूप में काम करेगी। दरअसल, ट्रंप ऐसे प्रस्ताव वाले अकेले नहीं हैं। अमेरिकी सीनेटर सिंथिया लुमिस ने कानून पेश किया है जिसके तहत अमेरिकी सरकार एक मिलियन बिटकॉइन खरीदेगी, जो कुल आपूर्ति का लगभग 5 प्रतिशत है, जबकि स्वतंत्र उम्मीदवार रॉबर्ट

एफ कैनेडी जूनियर ने चार मिलियन बिटकॉइन के सरकारी भंडार का सुझाव दिया है। रणनीतिक रिज़र्व अमेरिकी सरकार द्वारा रखी गई बड़ी मात्रा में बिटकॉइन का एक उपयोग होगा। हालाँकि, जूरी इस पर निर्णय नहीं ले रही है कि इसका उपयोग किस लिए किया जाएगा, क्या यह संभव है, या क्या यह व्यापक क्रिप्टो बाजार के लिए स्वागतयोग्य है। डेटा फर्म अरखाम इंटेलिजेंस के अनुसार अमेरिकी सरकार के पास क्रिप्टो का बम्पर कैश है: लगभग 11.1 बिलियन डॉलर मूल्य जिसमें 203,239 बिटकॉइन टोकन शामिल हैं, जिसमें कहा गया है कि यह ढेर आपराधिक बरामदगी से आया है, जिसमें ऑनलाइन मार्केटप्लेस सिल्क रोड भी शामिल है, जिसे 2013 में बंद कर दिया गया था। ब्लॉकचौन डॉट कॉम के अनुसार, मौजूदा स्तर पर, अमेरिका के पास कुल वैश्विक बिटकॉइन आपूर्ति का लगभग 1 प्रतिशत हिस्सा है – जो लगभग 19.7 मिलियन टोकन है।

### अचानक बांग्लादेश की जेल तोड़ बॉर्डर की ओर भागे 518 आतंकी, देखते ही शूट करेगी इंडियन आर्मी

बांग्लादेश में तख्तापलट की खबर तो सभी को पता है। शेख हसीना ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है और फिलहाल भारत में शरण ले रही हैं। लेकिन इन सब के बीच पड़ोसी देश से बहुत बड़ी और चिंताजनक खबर सामने आ रही है। बांग्लादेश की जेल से कई आतंकी जेल तोड़कर भाग निकले हैं। भारतीय सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं। आतंकी संगठन जमात उल मुजाहिद्दीन के ये आतंकी बताए जा रहे हैं। शेरपुरा जेल से 518 कैदी भागे हैं। जिनमें 20 के करीब आतंकी बताए जा रहे हैं। ये हथियार लेकर भी भागे हैं। इसके साथ ही जेल की गेट को आग के हवाले कर दिया गया है।

बीएसएफ अलर्ट

भारत बांग्लादेश सीमा पर सुरक्षा काफी कड़ी कर दी गई है। दस्तावेजों की छानबीन के निर्देश दे दिए गए हैं। वैलिड आई डी कार्ड रहने पर ही वो अपने गांव जा सकते हैं। बीएसएफ को ये निर्देश जारी किए गए हैं। बांग्लादेश के साथ भारत हजारों किलोमीटर का बॉर्डर शेयर करता है। बांग्लादेश की राजनीतिक अस्थिरता पर भारत की नजर लगातार बनी हुई है। कई आतंकी संगठन के आतंकी जो जेल में बंद थे उन्हें छुड़ा लिया गया है। पश्चिम बंगाल में जिस तरह से सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। लेकिन चार हजार किलोमीटर की सीमा पर हर जगह बीएसएफ को तैनात नहीं किया जा सकता है।

सरकार ने बुलाई सर्वदलीय बैठक

केंद्र सरकार ने बांग्लादेश के मुद्दे पर चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाई। सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह बैठक सुबह करीब 10 बजे संसद भवन में होगी। बांग्लादेश में आरक्षण विरोधी हिंसक प्रदर्शनों के बीच प्रधानमंत्री शेख हसीना के अचानक इस्तीफा देने और देश छोड़कर जाने से वहां अराजकता की स्थिति पैदा हो गई है। हसीना लंदन जाने की अपनी योजना के तहत सोमवार रात भारत पहुंचीं।

### जनरल ज़मान से बच कर... बांग्लादेश में ऐसा कुछ हो सकता है इसकी भारत को एक साल पहले से थी जानकारी?

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधान मंत्री शेख हसीना ने जून 2023 में जनरल वेकर–उस–ज़मां को सेना प्रमुख नियुक्त करके भारतीय राष्ट्रीय सुरक्षा प्रतिष्ठान की सलाह पर ध्यान न देने की कीमत चुकाई, जो अंततः उनके पतन का कारण बनी। शीर्ष भारतीय अधिकारियों ने पिछले 23 जून, 2023 को बांग्लादेश सेना प्रमुख के रूप में नियुक्त होने से पहले शेख हसीना को जनरल ज़मान की चीन समर्थक प्रवृत्तियों के बारे में सचेत किया था। देश में युवाओं के बढ़ते विरोध को रोकने के बजाय, जनरल ज़मान ने एक चेतावनी दी। शेख हसीना को अपनी बहन के साथ देश छोड़कर भागने का अल्टीमेटम। राष्ट्रपति द्वारा बीएनपी नेता खालिदा जिया की रिहाई इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि जमात–ए–इस्लामी और इस्लामी छत्रशिबिर जैसे इस्लामी संगठन देश की कट्टरपंथी राजनीति में आगे की सीट लेंगे। शेख हसीना ने अपने भारतीय वार्ताकारों को पहले ही संकेत दे दिया था कि वह जनवरी 2024 का आम चुनाव अप्रैल 2023 में नहीं लड़ना चाहती थीं और अपने समर्थकों के समझाने के बाद ही वह अनिच्छा से चुनावी मैदान में उतरीं।


प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।